मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 108
बूधवार, 29 अक्टूबर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

आठवें वेतन आयोग के गठन को कैबिनेट की मंजूरी, 18 महीने में देनी होगी रिपोर्ट

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। केंद्र सरकार में कार्यरत 50 लाख कर्मचारियों और तकरीबन 69 लाख पेंशनभोगियों को राहत देने के लिए गठित आठवें वेतन आयोग की सेवा शर्तों को मंगलवार को सरकार की मंजूरी मिल गई। सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई को इस आयोग की अध्यक्ष बनाने वाले प्रस्ताव को पीएम नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट की बैठक में हरी झंडी दिखाई गई।

आयोग में एकमात्र सदस्य आइआइएम (बंगलोर) के प्रोफेसर पुलक घोष होंगे जबकि पेट्रोलियम मंत्रालय में सचिव पंकज जैन को इसका सदस्य सचिव बनाया गया है। सरकार के इस फैसले को बिहार में विधान सभा चुनाव से भी जोड़ कर

देखा जा रहा है जहां छह व 11 नवंबर को चुनाव है। बिहार में सरकारी नौकरियों में बहाली एक बड़ा चुनावी मुद्दा है।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट बैठक के बाद बताया कि आयोग का गठन जनवरी 2025 में ही घोषित किया गया था, लेकिन अब इसकी सेवा-शर्तों (टर्म्स ऑफ रेफरेंस) की मंजूरी से प्रक्रिया तेज हो गई है। कैबिनेट के फैसले के अनुसार आयोग को अपनी मुख्य रिपोर्ट गठन के 18 महीनों के भीतर जमा करनी होगी और आवश्यकता पड़ने पर विशिष्ट मुद्दों पर अंतरिम रिपोर्ट भी प्रस्तुत कर सकता है।

हालांकि सिफारिशें 1 जनवरी 2026 से लागू होंगी। यह आयोग सातवें वेतन आयोग की अवधि (2016-2025) के समाप्त होने से ठीक पहले आ रहा है। सातवें आयोग ने वेतन में 14.3 प्रतिशत की वृद्धि की सिफारिश की थी। इससे एक करोड़ सरकारी कर्मचारियों को लाभ हुआ था। माना जा रहा है कि आठवें आयोग की रिपोर्ट में महंगाई भत्ते, यात्रा भत्ते और आवास भत्ते में संशोधन होगा। कर्मचारी संगठनों की लंबे समय से यह मांग थी कि वेतन संशोधन समय पर हो ताकि कर्मचारियों की क्रय शक्ति बनी रहे। विश्लेषकों का अनुमान है कि आयोग की सिफारिशों से सरकार का अतिरिक्त व्यय 2.4 से 3.2 लाख करोड़ रुपये तक हो सकता है। वैसे इसका बड़ा हिस्सा कर राजस्व के रूप में वापस आएगा। इससे घरेलू बाजार में कई उत्पादों की मांग में भी वृद्धि देखने को मिलती है। कुछ अर्थविदों का कहना है कि इस बार आयोग को सिफारिशों में राजकोषीय अनुशासन बनाए रखने के लिए क्या सिफारिशें होती हैं, इस पर भी नजर रखनी होंगी।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के पोते की आत्महत्या, जेब में मिला सुसाइड नोट, जांच में जुटी पुलिस

कानपुर, 28 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के पोते आरव सिन्हा ने कानपुर स्थित अपने आवास पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह खबर सामने आते ही प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक आरव सिन्हा (उम्र लगभग 18 वर्ष) कानपुर के किडवई नगर क्षेत्र में अपने परिवार के साथ रहता था। वह स्टेट लेवल का स्विमर (तैराक) था और पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी बेहतरीन प्रदर्शन करता था। इस नोट के बाद जब परिवार ने आरव का मोबाइल फोन चेक किया, तो नोटपैड ऐप में एक लंबा अंग्रेजी संदेश मिला। उसमें आरव ने लिखा था कि वह लंबे समय से मानसिक रूप से परेशान था। उसे सपनों में कुछ लोग दिखाई देते थे, जो उसे परिवार को नुकसान पहुंचाने या खुद को खत्म करने के लिए उकसाते थे। घटना के वक्त आरव घर में अकेला था। उसके माता-पिता छठ पूजा के लिए बिहार के भागलपुर गए हुए थे, जबकि उसकी बहन यूनिवर्सिटी गई हुई थी। जब बहन शाम को घर लौटी, तो मुख्य दरवाजा अंदर से बंद मिला। उसने पड़ोसियों की मदद से दरवाजा खुलवाया, तो देखा कि आरव फंदे से लटका हुआ था। सूचना मिलते ही कोहना थाना प्रभारी विनय तिवारी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। पुलिस ने बताया कि मोबाइल, सुसाइड नोट और कमरे से मिले साक्ष्यों को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। कोहना थाना प्रभारी ने बताया, ह्लप्राथमिक जांच में आत्महत्या की पुष्टि हुई है। मोबाइल से मिला नोट बेहद अहम है। इसे साइबर फोरेंसिक टीम जांच रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि किसी ने आरव पर मानसिक दबाव डाला था या नहीं।ह्व फिलहाल परिवार से पूछताछ की जा रही है और आरव के दोस्तों व सोशल मीडिया एक्टिविटी की भी जांच की जा रही है। पुलिस किसी भी एंगल को नजरअंदाज नहीं कर रही है। परिजनों के अनुसार, आरव कानपुर स्विमिंग एसोसिएशन से जुड़ा हुआ था और कई राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले चुका था। वह भविष्य में राष्ट्रीय स्तर पर तैराकी में भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना देख रहा था। पड़ोसियों के मुताबिक, आरव शांत स्वभाव का और पढ़ाई में अच्छा था। हालांकि पिछले कुछ महीनों से वह कम बातचीत करता था और अक्सर अपने कमरे में अकेला रहता था। आरव की आत्महत्या की खबर के बाद परिवार में मातम छा गया है।

पुराने 500 और 1000 के नोट बदलने का आखिरी मौका

नईदिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने विमुद्रीकृत करेंसी नोटों को बदलने के लिए नागरिकों को अनुमति देते हुए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। यह कदम उन लोगों को एक अंतिम अवसर प्रदान करता है जिनके पास पुराने 500 और 1000 के नोट हैं, जिन्हें 2016 के विमुद्रीकरण के बाद अमान्य कर दिया गया था। आरबीआई द्वारा निर्धारित यह विनिमय प्रक्रिया सख्त शर्तों के अधीन है। नोट रखने वाले नागरिकों को नोट रखने का वैध कारण बताना होगा, जैसे कि विरासत में मिलना या कानूनी निपटान। नागरिकों को नोट बदलने के लिए अपने पहचान प्रमाण और पते के प्रमाण जैसे आवश्यक दस्तावेजों के साथ आरबीआई के निर्दिष्ट कार्यालयों में जाना होगा। आरबीआई ने पारदर्शिता और उचित निगरानी की आवश्यकता पर जोर दिया है। विनिमय की यह अवधि सीमित है। आरबीआई के इस कदम से मुद्रा के सकुर्लेशन को सुव्यवस्थित करने और सिस्टम में काले धन को कम करने की उम्मीद है। जहाँ इस पहल को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली है, वहीं यह उन लोगों को एक मौका देती है कि वे विनिमय अवधि समाप्त होने से पहले पुरानी मुद्रा को औपचारिक अर्थव्यवस्था में वापस ला सकें।

नाबालिग से जबरन हिजाब पहनाकर वायरल की तस्वीर, पुलिस ने यूं सिखाया सबक

कन्नौज। उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक युवक ने नाबालिग हिंदू लड़की को प्रेमजाल में फंसाकर उससे जबरन हिजाब पहनवाया और उसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल कर दी। घटना सामने आने के बाद परिजनों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए अभियान चलाया। आरोपी की पहचान इमरान के रूप में हुई है, जो तालग्राम थाना क्षेत्र का निवासी बताया जा रहा है। परिजनों का आरोप है कि इमरान लड़की पर धर्म परिवर्तन का दबाव बना रहा था और सोशल मीडिया पर फोटो डालकर परिवार की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी के पिता को गिरफ्तार किया और खुद इमरान की तलाश में दबिश दी। पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी तालग्राम इलाके में छिपा हुआ है। जब पुलिस ने उसे पकड़ने की कोशिश की, तो उसने फायरिंग कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में गोली चलाई, जिससे इमरान के पैर में गोली लगी। उसे घायल अवस्था में हिरासत में लेकर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि आरोपी के खिलाफ नाबालिग से छेड़छाड़, धमकी, जबरन धर्म परिवर्तन और आईटी एक्ट के तहत कई धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब लड़की के बयान दर्ज कर रही है और पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है। एसपी ने कहा कि ऐसे मामलों में पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी ताकि समाज में गलत संदेश न जाए। साथ ही, पुलिस आरोपी की सोशल मीडिया गतिविधियों की भी जांच कर रही है

चक्रवात मोंथा का कहर: भारी बारिश और तेज आंधी से तबाही, पूरे आंध्र प्रदेश में अलर्ट

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। बेहद तेज रफ्तार से गंभीर चक्रवात के रूप में आगे बढ़ रहा 'मोंथा' मंगलवार रात आंध्र प्रदेश के काकीनाडा और मछलीपट्टनम तट के बीच टकरा गया। बंगाल की खाड़ी से उठे इस तूफान ने जब तटीय इलाकों को पार किया, तब हवाओं की गति लगभग 110 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच गई।

इस दौरान तेज बारिश और आंधी से पेड़ उखड़ गए। बिजली आपूर्ति ठप हो गई और हवाई व रेल सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुईं। भारतीय मौसम विभाग (आइएमडी) ने इसे गंभीर चक्रवाती तूफान करार देते हुए अगले 24 घंटे तक सतर्कता बरतने की चेतावनी दी है। इस तूफान का नाम थाइलैंड ने मोंथा दिया है, जिसका अर्थ थाई भाषा में सुगंधित पुष्प है। अरब सागर में भी समानांतर रूप से बने एक निम्न दबाव के क्षेत्र के आगे बढ़ने के चलते मोंथा तूफान देश के कई हिस्सों में तबाही और चिंता का कारण बन गया है। देश के दोनों तटीय क्षेत्रों में जनजीवन अस्त-

व्यस्त है, जबकि उत्तर भारत में इसके प्रभाव से मौसम में अचानक बदलाव देखा जा रहा है। फिलहाल, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु और बंगाल के कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। आंध्र के तटीय क्षेत्रों में सैकड़ों घरों एवं पेड़ों को नुकसान पहुंचा है। विशाखापट्टनम हवाई अड्डे से मंगलवार को सभी 32 उड़ानें रद्द कर दी गईं हैं। विजयवाड़ा और तिरुपति एयरपोर्ट से भी दर्जनों उड़ानें रोक दी गई हैं। रेलवे ने दक्षिण-मध्य और पूर्वी तटीय ट्रैक पर सौ से ज्यादा ट्रेनें रद्द कर दी हैं। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने तीनों जोन ईस्ट कोस्ट, साउथ कोस्ट और साउथ सेंट्रल को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यात्रियों की सुरक्षा, आपूर्ति श्रृंखला बनाए रखने और राहत कार्यों की तत्काल बहाली के लिए डिवीजनल वार रूम को सक्रिय कर दिया है। आइएमडी के अनुसार मोंथा का असर केवल तटीय इलाकों तक सीमित नहीं रहेगा। बंगाल की खाड़ी से उठे इस सिस्टम ने देश के कई हिस्सों के मौसम को प्रभावित किया है। ओडिशा और बंगाल में भारी बारिश के साथ तूफानी हवाएं चल रही हैं। कोलकाता और दक्षिण बंगाल के जिलों मेदिनीपुर, पुरुलिया, बर्दवान, बीरभूम और मुर्शिदाबाद में 31 अक्टूबर तक भारी वर्षा की चेतावनी है। समुद्र में ऊंची लहरों के कारण मछुआरों को समुद्र में न जाने की सख्त हिदायत दी गई है। चक्रवात का असर अगले एक-दो दिनों में उत्तर भारत तक पहुंचेगा। अरब सागर में मौसमी सिस्टम के असर से राजस्थान के कई हिस्से में पहले से ही मूसलाधार बारिश हो रही है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि दो दिनों तक राजस्थान, मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों एवं उत्तर प्रदेश के बड़े हिस्से में असर दिखेगा। बुधवार तक मध्य प्रदेश में भी बारिश शुरू हो जाएगी। बिहार और झारखंड में भी बारिश होगी। दिल्ली-एनसीआर और हरियाणा में भी अगले 48 घंटे में हल्की बारिश और बादल छाए रहने की संभावना जताई गई है, जिससे तापमान में गिरावट आएगी और प्रदूषण स्तर में अस्थायी सुधार देखने को मिल सकता है।

किसानों को बड़ी राहत, खेत से बिजली लाइन निकलने पर मिलेगा 200 प्रतिशत मुआवजा

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने किसानों और सरकारी आवास कब्जे में रखे अधिकारियों-कर्मचारियों से जुड़े दो बड़े फैसले लिए हैं। मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में यह निर्णय लिया गया कि अब हाई टेंशन लाइन बिछाने के लिए अधिग्रहित निजी जमीन के बदले किसानों को कलेक्टर गाइडलाइन का 200% मुआवजा दिया जाएगा। पहले यह मुआवजा केवल 85% दिया जाता था। इस फैसले से उन किसानों को बड़ी राहत मिलेगी जिनकी जमीनों से बिजली की उच्च क्षमता वाली लाइनें गुजरती हैं। नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि जब खेतों के ऊपर से 132 केवी, 220 केवी और 400 केवी की बिजली लाइनें

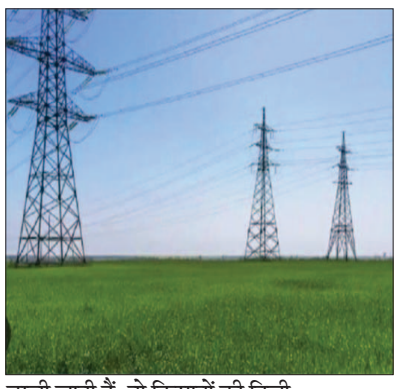

डाली जाती हैं, तो किसानों की निजी जमीन प्रभावित होती है। अब इस जमीन का मुआवजा कलेक्टर गाइडलाइन का दोगुना (200%) दिया जाएगा। इसके अलावा, टावर के आसपास की एक-एक मीटर भूमि का भी मुआवजा किसानों को मिलेगा, भले ही वह जमीन उनके कब्जे में ही रहे। विजयवर्गीय ने बताया कि पहले लाइन बिछाने के लिए दी जाने वाली प्रतिपूर्ति राशि 15% थी, जिसे अब 30% कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि 132 केवी लाइन के लिए 28 मीटर, 220 केवी लाइन के लिए 35 मीटर, 400 केवी लाइन के लिए 52 मीटर जमीन अधिग्रहित की जाएगी। कैबिनेट बैठक में एक और अहम फैसला लिया गया कि राजधानी भोपाल में सरकारी मकान आवंटन के बाद स्थानांतरण के बावजूद आवास खाली न करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों से अब 30% तक पेनाल्टी वसूली जाएगी। अब तक ऐसे मामलों में केवल 10 गुना किराया लिया जाता था, लेकिन अब उसमें 30% अतिरिक्त दंड (पेनाल्टी) जोड़ा जाएगा। यह निर्णय गृह विभाग के प्रस्ताव पर लिया गया है और इसके तहत शासकीय आवास आवंटन नियम 2000 में संशोधन किया गया है। कैबिनेट ने प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान के अंतर्गत पीवीटीजी समुदायों के विद्युतीकरण को भी मंजूरी दी। इसके तहत प्रदेश में 18,833 बिजली-विहीन घरों तक बिजली पहुंचाने का लक्ष्य है। जहां ग्रिड से बिजली देना संभव नहीं है, वहां सौर ऊर्जा के माध्यम से रोशनी पहुंचाई जाएगी। इस परियोजना में 60% खर्च भारत सरकार और 40% खर्च राज्य सरकार वहन करेगी

भारत के दम पर वजूद में आनेवाले बांग्लादेश ने उत्तरपूर्वी राज्यों को अपना बताया, नक्शे पर बढ़ा विवाद

नई दिल्ली। भारत की मदद से वजूद में आनेवाले बांग्लादेश ने एक बार फिर उकसावे वाली हरकत की है। देश के प्रमुख नेता मोहम्मद यूनुस ने पाकिस्तान के सैन्य अधिकारी को उपहार में किताब दी है, जिसमें बांग्लादेश का विवादित नक्शा भी शामिल है। इस नक्शे में बिहार, झारखंड, ओडिशा, असम और अन्य उत्तरपूर्वी राज्यों को ग्रेटर बांग्लादेश के हिस्से के तौर पर दशार्या गया है। भारत के विदेश मंत्रालय ने अभी इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। यूनुस ने ये उपहार पाकिस्तान के ज्वाइंट चीफ आफ स्टाफ कमेटी के अध्यक्ष जनरल साहिर शमशाद मिर्जा को ढाका में दिया। मिर्जा को पाकिस्तान सेना प्रमुख असीम मुनीर का उत्तराधिकारी माना जाता है। यूनुस ने अपने आधिकारिक एक्स एकाउंट पर मिर्जा के साथ कुछ तस्वीरें भी पोस्ट कीं। इस तस्वीर में एक किताब नजर आ रही है, जिस पर 'आर्ट आफ ट्रायंफः बांग्लादेश'ज न्यू डान', लिखा हुआ है। इस किताब में 2024 में छात्र आंदोलन की शुरूआत से लेकर शेख हसीना

सरकार को हटाने तक की तस्वीरें शामिल की गई हैं। हालांकि, मामले में विवाद केवल नक्शे की वजह से है। इसमें ग्रेटर बांग्लादेश की अवधारणा को दशार्या गया है। इस अवधारणा को ढाका आधारित इस्लामिक कट्टरपंथी, संगठन 'सल्तनत ए बांग्ला' के दिमाग की उपज माना जा रहा है। इस नक्शे में भारत के समूचे उत्तरपूर्वी हिस्से को ही बांग्लादेश का हिस्सा बताया गया है। साथ ही म्यांमार के अराकान राज्य को भी इसमें शामिल दिखाया गया है। अब तक 12 देशों के नेताओं को दी गई ये किताब बांग्लादेश के नेता पहले भी इस किताब को उपहार के तौर पर इस्तेमाल करते रहे हैं। सितंबर 2024 में यूनुस ने तब के कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो को यह किताब गिफ्ट की थी। इस किताब को गिफ्ट में देना एक राजनीतिक और कूटनीतिक संकेत माना जाता है। ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक यह किताब अब तक 12 से ज्यादा विदेशी नेताओं और अधिकारियों को गिफ्ट की जा चुकी है। इनमें पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, इटली की पीएम जार्जिया मेलोनी, ब्राजील के पीएम लूला डा सिल्वा और पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन जैसे बड़े नाम शामिल हैं।2024 से हो रही नक्शे के जरिये उकसावे की कार्रवाई बताया जाता है कि इससे पहले ये विवादित नक्शा 2024 में यूनुस के करीबी नहीदुल इस्लाम ने साझा किया था।

इसके बाद इस साल अप्रैल में ढाका विश्वविद्यालय में बंगाली नववर्ष, पोहेला बैशाख, के मौके पर एक प्रदर्शनी में इस नक्शे को देखा गया था। इस मुद्दे को कांग्रेस सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने अगस्त में राज्यसभा में उठाया था। अप्रैल में अपने चीन दौरे पर मोहम्मद यूनुस ढाका को इस क्षेत्र का 'एकमात्र सामुद्रिक संरक्षक' बताकर विवाद खड़ा किया था। उन्होंने आगे कहा था कि भारत के उत्तरपूर्वी सात राज्य पूरी तरह बांग्लादेश से घिरे हुए हैं।

उनके पास समुद्र तक पहुंचने का कोई रास्ता नहीं है। इस पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत के उत्तरपूर्व की रणनीतिक महत्ता पर जोर देते हुए इसे कनेक्टिविटी हब बताया था। उन्होंने कहा था कि ये राज्य बिम्सटेक, यानी बांग्लादेश, भूटान, भारत, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका और थाईलैंड को आपस में जोड़ते हैं। बता दें कि शेख हसीना को अपदस्थ करने और उनके भारत में शरण लेने के बाद से भारत और बांग्लादेश के बीच तनाव बढ़ गया है। यूनुस ने चीन और पाकिस्तान से नजदीकी भी बढ़ाई है।

प्रतिमा नहीं, भारत की आत्मा है, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी गाती है एकता का स्वर

-सुरेश गांधी

अगर सरदार पटेल न होते, तो भारत आज भी रियासतों का जाल होता, न कि एक अखंड राष्ट्र। यह वाक्य केवल इतिहास का स्मरण नहीं, बल्कि भारतीय गणराज्य की आत्मा का उद्घोष है। इसी लौह संकल्प और राष्ट्रनिष्ठा की विराट स्मृति के रूप में 31 अक्तूबर 2018 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के केवडिया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का लोकार्पण किया। 182 मीटर ऊँची यह प्रतिमा विश्व की सबसे ऊँची मूर्ति है, पर यह केवल धातु और पत्थर का ढांचा नहीं। यह भारत की आत्मा का सजीव प्रतीक है। यह मूर्ति उस व्यक्ति की है जिसने विभाजन की वेदना के बीच भी देश की रियासतों को एक सूत्र में बांधने का असंभव कार्य कर दिखाया, सरदार वल्लभभाई पटेल। यह प्रतिमा केवल सरदार का स्मारक नहीं, बल्कि उनके विचारों का प्रतीकात्मक शिल्प है। इसके हर पहलू में एकता का दर्शन छिपा है, ऊँचाईः 182 मीटर, गुजरात विधानसभा की 182 सीटों का प्रतीक। नर्मदाः जीवन, ऊर्जा और निरंतरता का स्रोत। धातुः जनता द्वारा दान किया गया लोहाकृजनसहभागिता का प्रतीक। दिशाः दक्षिण की ओर मुख, देश की एकता की ओर दृष्टि। वास्तु और स्थापत्य की दृष्टि से एक अजूबा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का निर्माण चीन के मूर्तिकार झोउंग लियांग के निर्देशन में हुआ। इसमें 1,700 टन कांस्य (ब्रॉन्ज) और 1,850 टन इस्पात का प्रयोग हुआ। मूर्ति की आधारशिला 58 मीटर ऊँची है, और इसके अंदर एक आधुनिक संग्रहालय तथा प्रदर्शनी हॉल बनाया गया है, जहाँ सरदार पटेल के जीवन, आंदोलन और राष्ट्रनिर्माण की झलकियां प्रदर्शित हैं।

2020 में इसे शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के आठ अजूबों में शामिल किया गया। यह केवल स्थापत्य का सम्मान नहीं, बल्कि भारत की उस विचारधारा का वैश्विक सम्मान है जो विविधता में एकताह्व को अपने जीवन दर्शन के रूप में मानती है। भारत की आजादी का संघर्ष जितना गांधी की अहिंसा से जुड़ा था, उतना ही पटेल की संगठनशीलता और दृढ़ इच्छाशक्ति से भी। उन्होंने भारत को ह्यसंघीय ढांचे में एकात्म भारत के रूप में गढ़ा। जब 1947 में देश आजाद हुआ, तब 562 रियासतें अपने-अपने स्वार्थों और संधियों में बंटी थीं। कोई स्वतंत्र रहना चाहती थी, कोई पाकिस्तान में मिलना चाहती थी। ऐसे कठिन समय में लौहपुरुष ने दृढ़ता से कहा, यह देश टुकड़ों में नहीं बँट सकता, यह एक रहेगा, अखंड रहेगा। उनकी यही लौ आज स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के रूप में साकार है। नर्मदा के शांत जल के किनारे स्थित यह प्रतिमा, प्रकृति और पुरुषार्थ का अद्भुत संगम है। गुजरात के नर्मदा जिले के केवडिया में स्थित यह स्मारक केवल एक स्थापत्य चमत्कार नहीं, बल्कि एक संदेश है, जो भारत को एक कर सकता है, उसकी प्रतिमा भी उतनी ही ऊँची होगी जितना उसका आदर्श। 182 मीटर ऊँची यह मूर्ति स्वतंत्र भारत की ऊँचाई और आत्मगौरव का प्रतीक है। इसके निर्माण में लगभग 2,989 करोड़ रुपये की लागत आई। इसे लार्सन एंड टुब्रो (एल एंड टी) कंपनी ने चार साल में तैयार किया। इस स्मारक का लोकार्पण 31 अक्टूबर 2018 को हुआ, पटेल की जयंती के अवसर पर। आज का भारत अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है, विचारों, भाषाओं, धर्मों और प्रदेशों की विविधता के बावजूद एकता की भावना को जीवित रखना किसी लौह इच्छाशक्ति से कम नहीं। पटेल ने कहा था, राष्ट्र की शक्ति उसकी सीमाओं में नहीं, बल्कि उसकी एकता में है। आज जब देश ह्यसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की नीति पर अग्रसर है, तब पटेल का दर्शन और भी प्रासंगिक हो जाता है। उनका जीवन बताता है कि संगठन, अनुशासन और समर्पण ही राष्ट्र की रीढ़ हैं।

नर्मदा की लहरें इस प्रतिमा के चरणों से टकराती हैं, जैसे भारत की नदियाँ अपने पिता समान पुरुष को नमन करती हों। दिन के उजाले में जब सूर्य की किरणें सरदार की मूर्ति पर पड़ती हैं, तो वह आभा बताती है कि यह कोई निर्जीव आकृति नहीं, बल्कि जीवित प्रेरणा है। रात के अंधेरे में जब यह मूर्ति रोशनी से नहाई होती है, तो लगता है, भारत का भविष्य इसी आलोक में दमक रहा है। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य के भारत का घोषणापत्र है। यह हमें सिखाती है कि विचार जब कर्म से जुड़ते हैं, तब राष्ट्र अमर हो जाता है। यह स्मारक कहता है, ह्लभारत कोई भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि चेतना है, जो समय-समय पर ऐसे महापुरुषों के माध्यम से स्वयं को नये रूप में अभिव्यक्त करती है।ह्व 31 अक्तूबर, सरदार पटेल की जयंती, अब केवल एक तिथि नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में हर भारतीय के हृदय में अंकित हो चुकी है। हर वर्ष जब इस दिन देशभर में ह्यरन फॉर यूनिटीह्ल आयोजित होता है, तो यह केवल दौड़ नहीं, बल्कि एक संकल्प होता है, ह्लभारत एक है, भारत अखंड रहेगा।ह्व नर्मदा के तट पर खड़ी यह विशाल प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को याद दिलाती रहेगी कि, ह्लजिस व्यक्ति ने भारत को एक किया, वह अब अनंत काल तक इस धरती के हर अणु में जीवित रहेगा।ह्व नर्मदा की लहरें गुनगुनाती हैं, ह्लवो लौहपुरुष नहीं, भारत की आत्मा हैं, जो आज भी हर दिल में बसते हैं। पत्थर नहीं, विचारों का जीवंत मंदिर हैं वो, जो हमें एकता की राह दिखाते हैं। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी केवल एक प्रतिमा नहीं, यह उस विराट चेतना की मूर्त अभिव्यक्ति है, जो कहती है, हम भारतीय हैं, और हमारी एकता ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है।

जनभागीदारी से गढ़ी एकता की मूर्ति

इस प्रतिमा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसे केवल सरकारी परियोजना के रूप में नहीं, बल्कि जनभागीदारी के अभियान के रूप में देखा गया। देशभर के किसानों ने अपने खेतों के पुराने औजार, हल, दरांती और लोहा दान दिया। इन उपकरणों से लोहा अभियान चला, और उसी धातु से गढ़ी गई लौहपुरुष की यह मूर्ति। यह उस भारत की पहचान है जहाँ राष्ट्रनिर्माण केवल नेताओं का नहीं, बल्कि जन-जन की आस्था और श्रम का परिणाम होता है। सरदार वल्लभभाई पटेल (31 अक्तूबर 1875ः 15 दिसंबर 1950) का जन्म गुजरात के नडियाद में हुआ था। वकालत से लेकर स्वतंत्रता आंदोलन तक, उन्होंने हर भूमिका में अनुशासन और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा। गांधीजी ने जब सत्याग्रह का बिगुल बजाया, तो पटेल ने उसे ह्यव्यवस्था और संगठन की रीढ़ह्ल दी। खेड़ा और बारडोली के किसानों के आंदोलन से लेकर संविधान निर्माण तक, सरदार हर मोर्चे पर दृढ़ और निष्ठावान रहे। बारडोली सत्याग्रह के दौरान जब किसानों ने कर न देने का निश्चय किया और अंग्रेज शासन ने दमन किया, तब पटेल ने जो नेतृत्व दिखाया, उससे ही उन्हें ह्यसरदारह्ल की उपाधि मिली।

भारत की एकता के शिल्पकार

आजादी के बाद जब भारत दो टुकड़ों में बँटा, तब पटेल ने 562 रियासतों का विलय कर भारत को एक सूत्र में बाँधा। हैदराबाद, जूनागढ़, कश्मीर, भोपाल, मणिपुर जैसी रियासतों के विलय में उनकी निर्णायक भूमिका रही। इतिहासकारों के शब्दों में, अगर पटेल न होते, तो भारत आज अफ्रीका के देशों की तरह असंख्य छोटे-छोटे राष्ट्रों में विभाजित होता। उन्होंने तर्क, दृढ़ता और कूटनीति से अखंड भारत का निर्माण कियाकृवह भारत जो आज हमें संविधान, सीमाओं और संस्कृति के रूप में मिला है।

पर्यटन, रोजगार और विकास का केन्द्र

इस प्रतिमा के कारण केवडिया आज ह्यएकता नगरह्ल के रूप में विश्व पर्यटन मानचित्र पर उभर चुका है। यहां प्रति वर्ष लाखों पर्यटक आते हैं, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार में क्रांतिकारी परिवर्तन आया है। एकता नगर में आधुनिक रेल स्टेशन, रोप-वे, टेंट सिटी, एकता नर्सरी, जंगल सफारी, बच्चों के लिए एडवेंचर पार्क और ह्यएकता क्रूजह्ल जैसी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। नर्मदा डैम और इसके आसपास के क्षेत्र को अब ह्यइको-टूरिज्म हबह्ल के रूप में विकसित किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था, ह्लस्टैच्यू ऑफ यूनिटी केवल पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि प्रेरणा स्थल है, जहाँ आकर हर भारतीय अपने भीतर के सरदार को खोज सकता है।ह्व

विश्व में भारत की पहचान का प्रतीक

आज जब कोई विदेशी पर्यटक ह्यस्टैच्यू ऑफ यूनिटीह्ल देखता है, तो उसे केवल एक मूर्ति नहीं दिखती, उसे भारत की आत्मा दिखाई देती है। जैसे स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी अमेरिका की स्वतंत्रता का प्रतीक है, वैसे ही स्टैच्यू ऑफ यूनिटी भारत की एकता, साहस और सामूहिक चेतना का प्रतीक बन चुकी है। भारत का यह स्मारक संदेश देता है कि ह्लहमारी एकता हमारी शक्ति है, और हमारी संस्कृति हमारी पहचान।

नर्मदा की शांत धाराओं के मध्य, केवडिया की गोद में खड़ी एक प्रतिमा, जो केवल पत्थर और धातु का ढांचा नहीं, बल्कि भारत की आत्मा का साक्षात प्रतीक है। यह वही स्वरूप है जिसने कभी बिखरे हुए भारत को एक सूत्र में बांध दिया था। यह वही चेतना है जिसने रियासतों की दीवारें तोड़कर ह्यएक भारत का सपना साकार किया। यह वही लौ है, जो अब स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के रूप में अनंत काल तक प्रज्वलित रहेगी। 182 मीटर ऊँची यह मूर्ति जब सुबह के सूर्य को स्पर्श करती है, तो लगता है मानो स्वयं इतिहास अपने पुरोधा को प्रणाम कर रहा हो। नर्मदा की लहरें इसके चरणों से टकराती हैं, जैसे स्वमाता अपने पुत्र का आशीर्वाद ले रही हो। यह प्रतिमा केवल सरदार वल्लभभाई पटेल की स्मृति नहीं, बल्कि उस विचार का स्थापत्य है जो कहता है, एकता ही भारत की पहचान है। आज जब विश्व भारत को नए आत्मविश्वास से देख रहा है, तब यह प्रतिमा उस अखंड भारत की गूंज बन चुकी है, जिसे सरदार ने अपने दृढ़ संकल्प और राजनीतिक कुशलता से गढ़ा था। यह केवल एक मूर्ति नहीं, बल्कि इतिहास, संस्कृति, और राष्ट्रभाव की मूर्त व्याख्या है, भारत की एकता की जीवित प्रतिज्ञा

एसआईआर की सार्थक पहल का विरोध नहीं, स्वागत हो

-ललित गर्ग

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बिहार के बाद अब देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष ग्रहण पुनरीक्षण (एसआईआर) की शुरुआत करने की घोषणा करके चुनाव विसंगतियों एवं कमियों को दूर करने का सराहनीय एवं साहसिक कार्य किया है। यह पहल न केवल तकनीकी या प्रशासनिक प्रक्रिया भर है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने की एक निर्णायक कोशिश है। लोकतंत्र की आत्मा उसके निर्वाचन तंत्र की निष्पक्षता और पारदर्शिता में बसती है और चुनाव आयोग का यह कदम उसी दिशा में एक ठोस, सकारात्मक और आवश्यक प्रयास के रूप में देखा जाना चाहिए। बिहार की एसआईआर प्रक्रिया से सबक लेते हुए इस बार आयोग ने प्रक्रिया के लिए अधिक समय दिया है, ताकि बिहार जैसी जल्दबाजी और अफरातफरी से बचा जा सके। आधार कार्ड को एक सहायक दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जाएगा, जिससे प्रक्रिया सरल बनेगी।

निश्चित ही इस बार 12 राज्य संख्या में ज्यादा हैं तो चुनौती भी उसी हिसाब से ज्यादा बड़ी है। उम्मीद कर सकते हैं कि बिहार में पुनरीक्षण प्रक्रिया में आई दिक्कतें अब आयोग के लिए अनुभव का काम करेंगी और वहां जैसी परेशानी बाकी जगहों पर लोगों को नहीं उठानी पड़ेगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने एसआईआर के शिड्यूल का ऐलान करते हुए कहा कि प्रक्रिया यह सुनिश्चित करेगी कि कोई भी योग्य मतदाता छूट न जाए और कोई भी अयोग्य मतदाता लिस्ट में शामिल न हो। जिन राज्यों को दूसरे चरण में चुना गया है, उनमें उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, गोवा, केरल, पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप हैं, इनमें से केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। असम में भी अगले ही साल विधानसभा चुनाव है, लेकिन उसे दूसरे चरण से बाहर रखा गया। आयोग ने इस बार आधार कार्ड को लेकर रुख पहले ही साफ कर दिया है कि यह जन्म, नागरिकता या निवास प्रमाण पत्र के रूप में मान्य नहीं होगा, लेकिन एसआईआर के दौरान इसे एक डॉक्यूमेंट के रूप में पेश किया जा सकेगा। यह स्पष्टता इसलिए जरूरी थी, क्योंकि बिहार में पहले चरण के दौरान आधार कार्ड का मसला सुप्रीम कोर्ट तक चला गया था। दस्तावेज ऐसे होने चाहिए, जो अधिकतम आबादी की पहुंच में हों और आज पहचान का सबसे सरल जरिया है।

मतदाता सूची की सटीकता, पारदर्शिता एवं निष्पक्षता लोकतंत्र की रीढ़ है। भारत जैसे विशाल और विविधता वाले देश में मतदाता सूची की सटीकता सबसे बड़ी चुनौती है। इसलिये एक निश्चित अन्तराल के बाद एसआईआर की प्रक्रिया होते रहना अपेक्षित है। इसके पहले एसआईआर करीब दो दशक पहले किया गया था। कम से कम अब तो यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि एसआईआर में इतना अंतराल न आने पाए, क्योंकि अब लाखों लोग नौकरी-पेशे के चलते अन्यत्र चले जाते हैं। इनमें से अधिकांश वहीं बस जाते हैं। कई बार देखा गया है कि मृत व्यक्तियों के नाम सूची में बने रहते हैं, वहीं नये पात्र नागरिकों के नाम दर्ज नहीं हो पाते। ग्रामीण इलाकों से लेकर महानगरों तक, इस विसंगति के चलते मतदान प्रतिशत प्रभावित होता है और चुनावी परिणामों की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगता है। एसआईआर का मकसद किसी की नागरिकता तय करना या ज्यादा से ज्यादा लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर करना नहीं है। इसे इतना सरल होना चाहिए, जिससे लोग वोटर बनने के लिए प्रेरित हों और उनमें लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व के लिए उत्साह जगे। मुख्य चुनाव आयुक्त की यह पहल-इन खामियों को दूर करने की दिशा में एक संगठित और वैज्ञानिक लोकतांत्रिक प्रयास है। यदि यह कार्य धरातल पर ईमानदारी से लागू हुआ, तो यह मतदाता सूची की पवित्रता और लोकतंत्र की गरिमा दोनों को बढ़ाएगा।

भारत जैसे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिये यह बहुत जरूरी है, इसके लिये राजनीतिक दलों की भूमिका एवं सहयोग अपेक्षित है, ये इस प्रक्रिया को सकारात्मक दृष्टि से लें। इस सराहनीय एवं नितांत अपेक्षित उपक्रम के लिये विपक्षी दलों के द्वारा विरोध का वातावरण बनाना एवं आस्तीनें चढ़ाना उनकी विश्वसनीयता एवं जिम्मेदारी पर प्रश्न खड़ा करता है। अक्सर देखा गया है कि जब चुनाव आयोग सुधारात्मक कदम उठाता है, तो विभिन्न राजनीतिक दल अपने-अपने हितों के अनुसार प्रतिक्रिया देते हैं। परंतु लोकतंत्र का स्वास्थ्य तब ही सुदृढ़ होगा जब सभी दल ह्यराजनीतिक लाभ-हानिह्ल से ऊपर रखेंगे। विपक्ष को चाहिए कि वह इस पहल का विरोध करने की बजाय स्वागत करे और इसे सही दिशा में लागू करने में सहयोग दे, न कि शंका और अविश्वास के चश्मे से देखे। बहरहाल, राजनीतिक पार्टियों की यह महती जिम्मेदारी है कि वे सिर्फ दोषारोपण करने तक सीमित न रहें, बल्कि इस पूरी प्रक्रिया में अपनी जिम्मेदारियां निभाएं। इसी तरह, नागरिक संगठनों के लिए भी यह सक्रिय होने का समय है। उनकी निगरानी बीएलए के काम को अधिक सरल व सटीक बना सकती है। कुल मिलाकर पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने का सपना दिखाने वाले चुनाव आयोग के सामने अभी अपनी इस प्राथमिक जिम्मेदारी को ही निर्विवाद रूप से पूरा करने की चुनौती है।

डिजिटल युग में चुनाव सुधार केवल मानव संसाधन या प्रशासनिक इच्छाशक्ति का नहीं, बल्कि तकनीकी की पारदर्शिता का भी प्रश्न है। बायोमेट्रिक सत्यापन, ऑनलाइन नामांकन और डेटा क्रॉस-वेरिफिकेशन जैसे उपाय अब आवश्यक हो चुके हैं। विशेष ग्रहण पुनरीक्षण इस दिशा में आधारभूत कार्य करेगा यानी चुनावी डाटा की सफाई और पुनर्गठन। भारत की चुनावी प्रक्रिया विश्व में सबसे बड़े लोकतांत्रिक अभ्यास के रूप में जानी जाती है। लेकिन यह गौरव तभी सार्थक होगा जब मतदाता सूची, मतदान केंद्रों की निष्पक्षता और आचार संहिता के पालन में कोई संदेह न रहे। चुनाव आयोग की यह पहल उसी लक्ष्य की ओर एक ठोस कदम है। लोकतंत्र केवल मतों की गिनती नहीं, बल्कि विश्वास की गिनती है और यह विश्वास चुनाव आयोग की ईमानदारी, पारदर्शिता और सक्रियता पर टिका है। जन-प्रतिनिधित्व कानून, 1950 की धारा 21 चुनाव आयोग को मतदाता सूची तैयार करने और उनको संशोधित करने का अधिकार देती है। मतदाता सूचियों को दुरुस्त करना चुनाव आयोग का संवैधानिक अधिकार ही नहीं, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव की अनिवार्य आवश्यकता भी है। विडंबना यह है कि कुछ दलों को इस आवश्यकता की पूर्ति किया जाना रास नहीं आ रहा है। उन्होंने बिहार में एसआईआर को लेकर आसमान सिर पर उठाया और वोट चोरी के जुमले के सहारे सड़कों पर उतरने के साथ ही सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया। मगर उनकी दाल न सुप्रीम कोर्ट के समक्ष गली और न ही बिहार की जनता के बीच तो इसीलिए कि वे कोरा दुष्प्रचार कर रहे थे।

ज्ञानेश कुमार की यह पहल केवल तकनीकी संशोधन नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्कृति में नवीनीकरण का संदेश है। चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं, बल्कि जनविश्वास की परीक्षा भी है। यदि यह अभियान ईमानदारी और जनसहभागिता के साथ पूरा होता है, तो यह भारत के लोकतंत्र को और परिपक्व बनाएगा। अब जिम्मेदारी केवल चुनाव आयोग की नहीं, बल्कि हर नागरिक और राजनीतिक दल की भी है कि वे इस सुधारात्मक पहल का स्वागत करें और लोकतंत्र के इस महापर्व को निष्कलंक बनाए रखने में अपनी भूमिका निभाएं। क्या यह विचित्र नहीं कि विपक्षी दल मतदाता सूचियों में गड़बड़ियों की शिकायत भी करते हैं और उनके पुनरीक्षण का विरोध भी? हालांकि उनके दुष्प्रचार की पोल खुल चुकी है, फिर भी चुनाव आयोग को इसके लिए तैयार रहना होगा कि विपक्ष शासित राज्य एसआईआर की प्रक्रिया का विरोध कर सकते हैं। उसे इसके प्रति सतर्क रहना होगा कि मतदान सूचियों को ठीक करने की प्रक्रिया में किसी तरह की गलती न होने पाए, क्योंकि विपक्षी दल छोटी-छोटी बातों को तूल देकर इस संवैधानिक प्रक्रिया को श्रीहीन करने की चेष्टा कर सकते हैं।

विज्ञान का ज्ञान : राष्ट्र विकास के आधार स्तंभ

संजीव ठाकुर

मनुष्य का विकास केवल भौतिक उन्नति से नहीं, बल्कि उसकी चेतना, संवेदना और ज्ञान से मापा जाता है। जिस राष्ट्र के नागरिक विचारशील, शिक्षित, संवेदनशील और जिज्ञासु होते हैं, वही राष्ट्र स्थायी प्रगति की ओर अग्रसर होता है। ज्ञान केवल सूचना का संचय नहीं, बल्कि उसका विवेकपूर्ण उपयोग है, और जब ज्ञान में प्रेम, करुणा और मानवीयता का समावेश होता है, तभी वह राष्ट्र के विकास का आधार स्तंभ बनता है। प्रेम और ज्ञान – दोनों मनुष्य के जीवन के दो ऐसे अमूल्य तत्व हैं जो एक-दूसरे के पूरक हैं। ज्ञान मनुष्य को विवेक देता है, जबकि प्रेम उसे मानवीय बनाता है। बिना ज्ञान के प्रेम अंधा होता है और बिना प्रेम के ज्ञान निष्ठुर। इन दोनों के संतुलन से ही जीवन, समाज और राष्ट्र में सौंदर्य, स्थिरता और समरसता का निर्माण होता है।

गांधीजी ने कहा था –जहाँ प्रेम है, वहाँ जीवन है। उनका जीवन ज्ञान और प्रेम का अद्भुत संगम था। उन्होंने सत्य और अहिंसा को जीवन का मूलमंत्र बनाया और इन सिद्धांतों के माध्यम से समूची मानवता को यह संदेश दिया कि हिंसा और घृणा से नहीं, बल्कि प्रेम और समझदारी से परिवर्तन लाया जा सकता है। उनके शब्द –पाप से घृणा करो, पापी से नहीं – यह बताते हैं कि प्रेम और ज्ञान का संयोजन ही आत्मा की सच्ची जागृति है। उन्होंने अपने प्रेम से जनता के हृदय जीत लिए और अपने ज्ञान से ब्रिटिश साम्राज्य को झुकने पर मजबूर कर दिया। इसी तरह भगवान बुद्ध का जीवन ज्ञान और करुणा का प्रतीक है। उन्होंने कहा – घृणा कभी घृणा से नहीं मिटती, घृणा केवल प्रेम से मिटती है। यह कथन न केवल आध्यात्मिक सत्य है, बल्कि सामाजिक नीति का भी मूल सिद्धांत है। बुद्ध ने अपने गहन ज्ञान और अथाह प्रेम से अंगुलिमाल जैसे हिंसक डाकू का भी हृदय परिवर्तन कर उसे मानवता का दूत बना दिया था। ईसा मसीह ने जब सूली पर चढ़ते हुए कहा – हे प्रभु, इन्हें क्षमा कर देना, ये नहीं जानते कि ये क्या कर रहे हैंह्व, तब उन्होंने मानवता के सामने यह प्रदर्शित किया कि सच्चा ज्ञान वही है जो प्रेम से ओतप्रोत हो। इस प्रेममय ज्ञान ने ही ईसा को इतिहास का अमर प्रतीक बना दिया। भारतीय संस्कृति में भी ज्ञान और प्रेम का यह समन्वय हर युग में देखा गया है। भगवान श्रीराम ने जब शबरी के जूठे बेर प्रेमपूर्वक खाए, तो वह केवल एक भक्ति-भावना नहीं थी, बल्कि यह दशार्ता था कि ज्ञान और प्रेम में कोई भेद नहीं है। प्रेम ही ज्ञान का सर्वोच्च रूप है। दूसरी ओर रावण जैसे महान ज्ञानी ने प्रेम और करुणा से रहित ज्ञान का उपयोग अहंकार और विध्वंस में किया और परिणामस्वरूप अपने कुल का नाश कर दिया। यह उदाहरण स्पष्ट करता है कि ज्ञान यदि प्रेमविहीन हो, तो वह विनाशकारी शक्ति बन जाता है। आधुनिक युग में तकनीकी क्रांति ने ज्ञान के असीम द्वार खोल दिए हैं। आज मानव के पास सूचना का महासागर है, परंतु यदि उसमें मानवीयता और करुणा का भाव न हो, तो वही सूचना विनाश का कारण बन सकती है। परमाणु ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता या जैव प्रौद्योगिकी – ये सभी ज्ञान की उपलब्धियाँ हैं, लेकिन यदि इनका उपयोग प्रेम, नैतिकता और मानव कल्याण के दृष्टिकोण से न किया जाए, तो ये मानवता के लिए संकट बन सकती हैं। इसलिए आज के समय में यह और भी आवश्यक है कि हम ज्ञान को केवल उपयोगिता के स्तर पर न देखें, बल्कि उसे संवेदना और जिम्मेदारी के साथ जोड़ें।

भारतीय दर्शन में कहा गया है –विद्या ददाति विनयं, विनयाद् याति पात्रताम अर्थात ज्ञान ही विनम्रता देता है, और विनम्रता ही पात्रता। यह विनम्रता तभी आती है जब ज्ञान के साथ प्रेम जुड़ा हो। ज्ञान हमें सिखाता है कि कैसे सोचना है, पर प्रेम हमें यह सिखाता है कि क्यों सोचना है। ज्ञान दिशा देता है, प्रेम उद्देश्य। दोनों का संगम ही जीवन का सार्थक मार्ग बनाता है। आज का भारत जब विकसित भारत की दिशा में बढ़ रहा है, तब हमें यह समझना होगा कि सूचना तभी ज्ञान बनती है जब उसमें मानवता का तत्व जुड़ा हो। केवल सूचना का प्रसार राष्ट्र को विकसित नहीं करता, बल्कि उस सूचना का मानवीय उपयोग राष्ट्र निर्माण की सच्ची पहचान है। ज्ञान का उद्देश्य केवल आत्म-विकास नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की सेवा भी होना चाहिए। जब ज्ञान प्रेम के साथ जुड़ता है, तो वह विज्ञान से विवेक की ओर बढ़ता है। प्रेम के बिना ज्ञान मशीन बन जाता है, और ज्ञान के बिना प्रेम अंध भक्ति। दोनों का संतुलन ही सभ्यता की आत्मा है। आज जब विश्व जलवायु परिवर्तन, युद्ध, गरीबी और असमानता जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है, तब हमें तकनीकी ज्ञान के साथ प्रेम और सह-अस्तित्व की भावना को जोड़ना होगा। हमें यह समझना होगा कि विकास का अर्थ केवल आर्थिक प्रगति नहीं, बल्कि मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक उन्नति भी है। राष्ट्र तभी सशक्त बनता है जब उसका नागरिक शिक्षित, संवेदनशील और मानवीय होता है।

गांधी, बुद्ध, राम, ईसा, टैगोर, विवेकानंद सभी ने यही सिखाया कि प्रेम और ज्ञान का संगम ही सच्ची प्रगति है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था –शिक्षा वह है जो मनुष्य को अपने पैरों पर खड़ा कर दे और आत्मविश्वास से भर दे। पर यह शिक्षा तब सार्थक होती है जब उसमें करुणा का भाव भी शामिल हो। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी शिक्षा प्रणाली, वैज्ञानिक अनुसंधान और सामाजिक व्यवहार में इस द्वैत की समरसता को स्थापित करें। राष्ट्र तभी उज्जवल होगा जब उसके नागरिक केवल जानकार नहीं, बल्कि संवेदनशील ज्ञानी बनेंगे। सूचना का प्रवाह तभी सार्थक है जब वह ज्ञान में बदले और ज्ञान तभी प्रकाश बनता है जब उसमें प्रेम की ऊष्मा हो। इसलिए आइए हम यह संकल्प लें कि हम प्रेम को जीवन का आधार और ज्ञान को उसका मार्गदर्शक बनाएँ। जब प्रेम दिशा देगा और ज्ञान उसका साधन बनेगा, तब न केवल व्यक्ति बल्कि समूचा राष्ट्र मानवता की उच्चतम शिखर पर पहुँचेगा। यही वह सूत्र है जो भारत को वसुधैव कुटुंबकम की भावना से जोड़ता है जहाँ सबका कल्याण, सबकी प्रगति और सबकी मुस्कुराहट ही सच्चा विकास कहलाएगी।

राजस्थान कांग्रेस : जिलाध्यक्षों की जंग में एक अनार सौ बीमार!

-राकेश दुबे

राजस्थान कांग्रेस के बीते कई सालों के ज्ञात इतिहास में, पहली बार ऐसा हुआ है कि जिलाध्यक्षों की नियुक्ति के लिए सीधे नाम तय करने के बजाय जिलों से समर्थन आधारित आवेदन मांगे गए हैं। परंपरागत रूप से अब तक कांग्रेस आलाकमान ही जिलाध्यक्षों की सीधी नियुक्ति करता रहा है, परंतु इस बार संगठन में लोकतांत्रिक प्रक्रिया का आभास देने की कोशिश की गई है। प्रदेश के लगभग 50 जिलों से करीब 3,000 कांग्रेसजनों ने जिलाध्यक्ष बनने के लिए आवेदन जमा किए हैं। हालात, एक अनार सौ बीमार वाले हैं। इतनी बड़ी यह संख्या भले ही पार्टी की आंतरिक सक्रियता दिखाती है, लेकिन साथ ही यह भी सवाल खड़ा करती है कि इतने इच्छुक उम्मीदवारों में से किसे चुना जाए। और सवाल यह भी है कि जिसे चुना जाएगा, क्या बाकी सारे उसके साथ रहेंगे?

संगठन में खींचतान ज्यादा

अखिल भारतीय कांग्रेस के महासचिव सचिन पायलट और राजस्थान के तीन बार मुख्यमंत्री रहे दिग्गज नेता अशोक गहलोत के समर्थक अपने-अपने नेता के आशीर्वाद से जिलाध्यक्ष पद पाने की उम्मीद में जुटे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा भी निश्चित रूप से इसी तरह से अपने लोगों को पद पर लाना चाहते ही होंगे। हर गुट चाहता है कि उसके नजदीकी चेहरे को संगठन में स्थान मिले। इसी कारण यह प्रक्रिया लोकतांत्रिक कम और गुटीय शक्ति प्रदर्शन अधिक लगने है, जिससे संगठन में समरसता व आंतरिक लोकतंत्र की बजाय खींचतान की संभावना ज्यादा बढ़ती दिख रही है।

जिलों में प्रक्रिया पूर्ण, दिल्ली में अंतिम चरण की बैठकों का दौर

राजस्थान कांग्रेस में जिलाध्यक्ष चयन की प्रक्रिया अब दिल्ली पहुंच गई है। राज्य स्तर पर सभी जिलों में कार्यकर्ताओं से आवेदन और समर्थन जुटाने का दौर समाप्त हो चुका है। अब यह पूरा प्रस्ताव अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल के पास है। वे 25 अक्टूबर को नई दिल्ली में प्रदेश नेतृत्व व प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा के साथ बैठक कर चुके हैं, जिनमें संभावित नामों पर गहन मंथन होना बताया गया है। पार्टी नेतृत्व इस बार ऐसा संतुलन साधने की कोशिश में है, जिससे संगठन में सभी खेमों का प्रतिनिधित्व हो सके। हालांकि प्रदेश के बड़े नेता, विशेषकर गहलोत, डोटासरा और पायलट के बीच की आंतरिक प्रतिस्पर्धा चयन प्रक्रिया पर स्पष्ट रूप से प्रभाव डाल रही है, ऐसा माना जा रहा है। दिल्ली में बैठकों का दौर यह संकेत देता है कि कांग्रेस संगठन अपनी जमीनी और शीर्ष दोनों परतों के बीच संवाद स्थापित करने की कोशिश कर रहा है। लेकिन अंतिम सूची जारी होते ही असंतोष के स्वर उठने तय माने जा रहे हैं।

गहलोत के बयान का मतलब

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जिलाध्यक्षों के चयन को लेकर ह्यनेताओं को पंचायती न करने की सलाह दी है। गहलोत का यह बयान साधारण नहीं माना जा रहा। राजस्थान कांग्रेस में गहलोत का कद सबसे ऊंचा है और उनका हर वक्तव्य संगठन में संदेश की तरह लिया जाता है। दरअसल, गहलोत यह संकेत दे चुके हैं कि जिलाध्यक्षों की नियुक्ति पूरी तरह संगठन की सामूहिक सोच पर आधारित होनी चाहिए। लेकिन यह बात भी उतनी ही स्पष्ट है कि गहलोत खेमे के कई नेता जिलाध्यक्ष पद के लिए जोरशोर से सक्रिय हैं। उनके इस बयान का सीधा अर्थ यह हैं कि यह पार्टी में एकता का संदेश है, तथा संगठन जो करेगा वही सही होगा। माना जाता है कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा मूल रूप से गहलोत के समर्थक हैं। अतः गहलोत विरोधी खेमे में यह भी कहा जा रहा है कि गहलोत अपने प्रतिद्वंद्वी गुटों, विशेषकर पायलट खेमे को अप्रत्यक्ष रूप से चेतावनी दे रहे हैं कि संगठन के फैसले में ज्यादा दखल न दें। उनके शब्दों का असर संगठन के अंदर गहराई तक है और यही कारण है कि जिलाध्यक्षों की नियुक्ति अब शक्ति-संतुलन की बड़ी परीक्षा बन गई है।

एक पद 50 उम्मीदवार

कांग्रेस में हर जिले से औसतन 50 से अधिक नेताओं ने जिलाध्यक्ष बनने के लिए आवेदन दिए हैं। यह आंकड़ा बताता है कि पार्टी में स्थानीय स्तर पर महत्वाकांक्षा बहुत ज्यादा बढ़ी हुई है, लेकिन उत्साह भी बहुत है। हालांकि, हर जिले में कम से कम 10 से 15 ऐसे कांग्रेसजनों ने भी आवेदन किए हैं, जिनके साथ जिले भर में 10 कार्यकर्ता भी नहीं है। फिर भी बहुत बड़ी संख्या में लोगों के जिलाध्यक्ष बनने की मंशा पालने की यह स्थिति संगठनात्मक चुनौती भी बन रही है। एक जिले में जब इतने दावेदार होंगे, तो अंतिम चयन के बाद बाकी दावेदारों का समर्थन मिलना बेहद मुश्किल होगा। राजनीति विश्लेषक निरंजन परिहार कहते हैं कि जिस नेता को पद नहीं मिलता, वह अक्सर मौन असंतोष का हिस्सा बन जाता है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या चुना गया जिलाध्यक्ष अपने ही जिले के कार्यकर्ताओं का विश्वास जीत पाएगा? हालांकि, कांग्रेस में यह पहली बार नहीं हो रहा, लेकिन इस बार विरोध की संभावनाएं कहीं ज्यादा हैं, क्योंकि सबको खुलकर अध्यक्ष पद के लिए आवेदन का मौका दिया गया है। परिहार कहते हैं कि बहुत संभव है कि जब किसी एक का नाम सामने आएगा, तो असंतोष के स्वर हर जिले से सुनाई देंगे। यह स्थिति संगठन की एकजुटता के लिए गंभीर खतरा साबित हो सकती है।

संगठनात्मक चुनौती

राजस्थान कांग्रेस पहले से ही गुटबाजी की मार झेल रही है। अशोक गहलोत के मुख्यमंत्री रहते हुए सचिन पायलट ने जिस तरह से 5 साल तक लगातार विरोध किया और खेमेबाजी को हवा दी, उसके बाद से खींचतान जगजाहिर है। पायलट की इसी गुटबाजी को हवा देने तथा खींचतान की वजह से कम से कम 15 सीटों पर हार जाने से कांग्रेस को सरकार से बाहर होना पड़ा। वरिष्ठ पत्रकार हरि सिंह राजपुरोहित कहते हैं कि ऐसे हालात में, जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की इस नई लोकतांत्रिक पद्धति के जरिए, कांग्रेस ने, इस अंतर्विरोध को और गहरा करने का जोखिम उठा लिया है। कांग्रेस की केंद्रीय राजनीति के जानकार वरिष्ठ पत्रकार संदीप सोनवलकर मानते हैं कि परंपरा से हटकर आवेदन-आधारित प्रक्रिया को अपनाना कांग्रेस में लोकतांत्रिक कदम कहा जा सकता है, लेकिन इससे संगठनात्मक अनुशासन पर सवाल उठे हैं। सोनवलकर कहते हैं कि इस प्रक्रिया से हर जिले में अनेक धड़े सक्रिय हो सकते हैं, जो कि पहले से ही हैं, और जिलाध्यक्ष पद पर आने वाले व्यक्ति के निर्णयों से असंतुष्ट होकर जिलाध्यक्ष के विरोध की अलग राह भी पकड़ सकते हैं। वरिष्ठ पत्रकार हरि सिंह राजपुरोहित का मानना है कि यदि असंतोष को समय रहते नहीं संभाला गया, तो यह आने वाले चुनावों में कांग्रेस को भारी नुकसान पहुंचा सकता है। संगठन के मजबूत करने की ईमानदार भावना की जगह यदि आंतरिक प्रतिस्पर्धा हावी रही, तो यह पूरी प्रक्रिया पार्टी के लिए लाभ की बजाय हानि का सौदा साबित हो सकती। यही वजह है कि राहुल गांधी के निदेशों के कारण नई प्रक्रिया तो अपना ली गई है, लेकिन कांग्रेस आलाकमान इस बार संतुलित और रणनीतिक फैसले लेने के दबाव में है, क्योंकि, युवक कांग्रेस के संगठन का हाल - बदहाल वह भुगत ही रही है।

-राकेश दुबे (लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

पालघर जिले में फिर बरसा कहर बनकर बारिश, किसान हुए बेहाल

-अजीत सिंह

पालघर (उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के विक्रमगढ़ तहसील में दिवाली के बाद एक बार फिर बारिश ने तबाही मचाई है। 25, 26 और 27 अक्टूबर को लगातार हुई बरसात से खेतों में खड़ी फसलें बर्बाद हो गईं। पहले ही दिवाली के दौरान हुई बारिश से नुकसान झेल चुके किसानों की कमर अब पूरी तरह टूट चुकी है।

किसानों का कहना है कि उन्होंने कर्ज लेकर, जमीन गिरवी रखकर और सहकारी संस्थाओं के माध्यम से खेती को संवारने की कोशिश की थी। लेकिन बार-बार की बरसात ने उनकी सारी मेहनत पर पानी फेर दिया। खेतों में बोए गए धान के साथ-साथ उड़द, नागली, तूर, वरई और खुरासानी जैसे फसलें भी पूरी तरह चौपट हो गई हैं।

एक किसान ने कहा, हमने खेती को बचाने के लिए तकलीफें झेली, लेकिन अब हालात ऐसे हैं कि न कर्ज चुकाने की स्थिति है, न घर चलाने की। किसानों की यह भी मांग है कि सरकार तत्काल ह्लओला दुष्कालह्व (अत्यधिक वर्षा) घोषित करे और वचन के अनुसार पुराने व चालू वर्ष के फसल ऋण पूरी तरह माफ करे ताकि किसानों को थोड़ी राहत मिल सके। विक्रमगढ़ तहसील की 11 प्राथमिक सहकारी संस्थाएं किसानों के लिए काम कर रही हैं। लेकिन इन संस्थाओं का लगभग 10 से 12 करोड़ रुपये तक का बकाया जिला बैंक में लंबित है। ऐसे में जब कोई किसान या उसका बेटा नया उद्योग शुरू करना चाहता है, तो बैंक लोन देने से साफ मना कर देती हैं। परिणामस्वरूप ग्रामीण युवाओं का भविष्य भी अधर में लटक गया है। तहसील के अधिकांश किसान इस बात से चिंतित हैं कि एक ओर प्रकृति साथ नहीं दे रही और दूसरी ओर सरकार कर्ज माफी पर मौन है। किसान वर्ग का कहना है कि अब हालात इतने गंभीर हो चुके हैं कि तत्काल राहत और ऋणमाफी ही एकमात्र उपाय है। विक्रमगढ़ के किसान घनश्याम आलशी ने सरकार से अपील की है कि किसानों की व्यथा को गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द राहत पैकेज और ऋणमाफी की घोषणा की जाए।

फरवरी में मुंबई क्लाइमेट वीक का होगा भव्य आयोजन: देवेंद्र फडणवीस

मुंबई(उत्तरशक्ति)। भारत की पर्यावरणीय प्रतिबद्धता और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका को रेखांकित करने वाला अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन मुंबई क्लाइमेट वीक आगामी वर्ष फरवरी में मुंबई में आयोजित किया जायेगा। इसकी घोषणा महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंत्रालय में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक के दौरान की। यह ऐतिहासिक कार्यक्रम ह्यप्रोजेक्ट मुंबई की संकल्पना के तहत महाराष्ट्र सरकार के पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग और बृहन्मुंबई महानगरपालिका के सहयोग से आयोजित किया जायेगा। इस अवसर पर कार्यक्रम का लोगो भी मुख्यमंत्री फडणवीस के हाथों जारी किया गया। बैठक में मंत्री पंकजा मुंडे, महापालिका आयुक्त भूषण गगराणी, विभाग की सचिव जयश्री भोज, तथा प्रोजेक्ट मुंबई के संस्थापक व सीईओ शिशिर जोशी समेत कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि मुंबई क्लाइमेट वीक भारत की उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसमें हम सिर्फ चर्चा नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई के लिए आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन से प्रेरित होकर महाराष्ट्र और मुंबई, ग्लोबल साउथ के लिए एक न्यायसंगत, नवोन्मेषी और सशक्त जलवायु भविष्य बनाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में तीस से अधिक देशों के विशेषज्ञ, नीति निमार्ता, उद्योग जगत, सामाजिक संस्थाएं, छात्र और युवा भाग लेंगे। इस दौरान व्यावहारिक जलवायु नीति और कार्ययोजनाओं पर चर्चा की जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब समय आ गया है कि समाज के हर वर्ग व्यक्ति से लेकर उद्योग तक जलवायु परिवर्तन के खिलाफ इस आंदोलन में शामिल हो। हमें अपने कार्यों से यह दिखाना होगा कि बदलाव संभव है। मुंबई क्लाइमेट वीक के दौरान मुख्य सम्मेलन के अलावा शहरभर में प्रदर्शनियां, कार्यशालाएं, फिल्म प्रदर्शन, कला, खेल, स्वास्थ्य और अध्यात्म से जुड़ी गतिविधियां भी आयोजित की जायेंगी।

अस्पताल के सर्वेक्षण कार्य में पूर्व महापौर रूपेश जाधव पर बाधा डालने का अरोप

वसई-विरार। वसई-विरार महानगरपालिका द्वारा नालासोपारा-अछोले क्षेत्र (आरक्षण नं. 455, सर्वे नं. 6) में प्रस्तावित 200 बिस्तरों वाले मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल के सर्वेक्षण कार्य में आज (28 अक्टूबर) पूर्व महापौर रूपेश जाधव ने बाधा डाली। जानकारी के अनुसार, यह अस्पताल 15.82 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला है और इसके लिए कायार्देश भी जारी हो चुके हैं। महानगरपालिका ने अस्पताल की भूमि अपने नाम पर हस्तांतरित करा ली है और सलाहकार-वास्तुकार नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू की है। जब वर्तमान भाजपा विधायक राजन नाइक अधिकारी व पदाधिकारियों के साथ स्थल निरीक्षण करने पहुँचे, तब रूपेश जाधव ने सर्वेक्षण कार्य में रुकावट डालते हुए अधिकारियों को धमकाया। बताया जा रहा है कि जाधव का दीवान नामक बिल्डर की जमीन पर अतिक्रमण है, और वे इसे बचाने के लिए बाधा डाल रहे हैं। रूपेश जाधव पहले भी इस अस्पताल के विरोध में रहे हैं और उन्होंने इसके स्थान को लेकर आपत्तियाँ जताई थीं। वहीं राज्य सरकार ने अब इस परियोजना को मंजूरी दे दी है, जिससे वसई-विरार के नागरिकों को बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है। नागरिकों ने पूर्व महापौर द्वारा विकास कार्य में रुकावट डालने पर नाराजगी व्यक्त की है।

संजय सिंह के नेतृत्व में पवई तालाब पर छठव्रतियों की उत्कृष्ट सेवा

मुंबई। सूयोर्पासना के लोकपर्व छठ पूजा 2025 के पावन अवसर पर उत्तर भारतीय समाज की प्रतिनिधि संस्था उत्तर भारतीय संघ के उपाध्यक्ष संजय कमला शंभुनाथ सिंह के कुशल नेतृत्व में पवई तालाब पंचकुटी के सामने सोमवार, 27 अक्टूबर को शाम 5 बजे से 8 बजे तक (संध्या अर्घ्य) और और मंगलवार 28 अक्टूबर, 2025 को सुबह 5 से 7.30 बजे तक (उषा अर्घ्य) का छठव्रतियों के पूजा हेतु सेवा मंच स्थापित किया गया जिसकी तहत पूजा सामग्री, दूध, केला, गन्ना, चना, यातायात सुविधा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, महिलाओं के लिए कपड़ा बदलने का रूम, व्रतियों के परिवार के लिए चाय पानी की उपयोगी सुविधा उपलब्ध कराई गई। स्वर्गीय बाबू आर. एन. सिंह की प्रतिमा को नमन कर पुष्प अर्पण कर भक्तों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर संजय सिंह सभी भक्तों को सुविधा का लाभ उठाने के लिए आभार व्यक्त किया। संतोष आर एन सिंह (अध्यक्ष उत्तर भारतीय संघ) ने भी अपनी शुभकामनाएं दी। अन्य विशेष अतिथि अमरजीत सिंह (मुंबई भाजपा उपाध्यक्ष), जितेंद्र सोनवणे (वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक पवई), विनोद मिश्रा, भारत सिंह, पोपट तिवारी, रोहित उपाध्याय, पूनम दलाल, ध्रुवनारायण पांडे, बिपिन सिंह, रूपेश पांडे, गीता संजय सिंह, किरण अमरजीत सिंह, नीतू संतोष सिंह, अंकिता सिंह, रिया सिंह, प्रिया सिंह, शिवानी सिंह, कंचन सिंह, नरेंद्र सिंह, प्रदीप गुप्ता, आशीष तिवारी, प्रदीप वर्मा, संजय सिंह ने महाराष्ट्र सरकार, बृहन्मुंबई महानगरपालिका, पवई ट्रैफिक पुलिस, पवई पुलिस स्टेशन का विशेष आभार व्यक्त किया और सभी कार्यकताओं को उत्साह वर्धन किया।

97 वर्षीय शायर नंदलाल पाठक के गजल संग्रह 'जीवन एक गजल है' का लोकार्पण

मुंबई। 97 वर्षीय वरिष्ठ शायर प्रो. नंदलाल पाठक के नए गजल संग्रह ह्यजीवन एक गजल है का लोकार्पण उद्योगपति कुमार मंगलम बिरला और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सदस्य डॉ. सुधांशु त्रिवेदी की उपस्थिति में वर्ली के एक पंचसितारा होटल के सभागार में हुआ। समारोह की अध्यक्षता पद्मभूषण राजश्री बिरला ने की। यह कार्यक्रम बिरला समूह के साहित्यिक-सास्कृतिक संगठन ह्यसाहित्यायन फाउंडेशन, मुंबई की ओर से आयोजित किया गया।

इस अवसर पर साहित्यायन फाउंडेशन ने 'नंदलाल पाठक साहित्य पुरस्कार' का आरंभ किया। हिंदी गजल में विशिष्ट योगदान के लिए वरिष्ठ शायर दीक्षित दनकौरी को 5 लाख रुपए का 'नंदलाल पाठक साहित्य पुरस्कार' और युवा शायर अभिषेक कुमार सिंह को 1 लाख का 'नंदलाल पाठक प्रतिभा पुरस्कार' प्रदान किया गया।

इस अवसर पर आयोजित गजल संध्या में सुश्री पूनम विश्वकर्मा, सुमन जैन, देवमणि पांडेय, स्वयं नंदलाल पाठक, और दोनों सम्मानित शायरों ने अपनी गजलें प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इससे पहले डॉ. त्रिवेदी ने सुमित्रानंदन पंत, अटल बिहारी वाजपेई और नंदलाल पाठक की रचनाएं पढ़ीं। सुश्री किरण बजाज, शायर नवीन जोशी नवाऔर माधव बर्वे नूर, समेत बड़ी संख्या में साहित्यकारों, कवियों और उद्योगपतियों की उपस्थिति ने आयोजन को यादगार बना दिया। कार्यक्रम का समापन वाणी प्रकाशन के निदेशक अरुण माहेश्वरी के आभार वक्तव्य से हुआ।

ऑर्किड्स इंटरनेशनल स्कूल अपने फ्लैगशिप को लेकर आ रहा हैखगोल विज्ञान मेला मुंबई के लिए

मुंबई। ऑर्किड्स द इंटरनेशनल स्कूलभारत की अग्रणी के12 स्कूल श्रृंखलाओं में से एक, अपने बहुप्रतीक्षित इंटरसिटी खगोल विज्ञान मेले की मेजबानी करने के लिए तैयार है, ह्यगो कॉस्मो - यूनिवर्स अनलीश्ड, मुंबई में अपने ठाणे परिसर में1 और 2 नवंबर, 2025 जिज्ञासा जगाने और वैज्ञानिक सोच को प्रेरित करने के लिए डिजाइन किया गया यह दो दिवसीय कार्यक्रम ब्रह्मांड के रहस्यों की एक गहन यात्रा का वादा करता है। 'गो कॉस्मो' का उद्देश्य खगोल विज्ञान को बच्चों और अभिभावकों के लिए एक रोमांचक, सुलभ और इंटरैक्टिव अनुभव बनाना है। इस मेले में 10 थीम वाले क्षेत्र शामिल होंगे, जिनमें शामिल हैंआभासी मल्लाह (वीआर-संचालित अंतरिक्ष सिमुलेशन) ,गुरुत्वाकर्षण जिम (ग्रहीय गुरुत्वाकर्षण से प्रेरित एक शक्ति चुनौती),जल रॉकेट (एक रोमांचकारी रॉकेटरी अनुभव), भंवर तोप(कार्रवाई में वायु दाब) औरस्टार सीकर(आकाशीय पिंडों का निर्देशित दूरबीन से अवलोकन)। प्रत्येक गतिविधि खेल को सीखने के साथ जोड़ती है, जिससे छात्रों को अंतरिक्ष के पीछे के विज्ञान को एक मजेदार और अनुभवात्मक तरीके से जानने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इस उत्साह को और बढ़ाते हुए, इस कार्यक्रम में 'खगोल विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएँ', 'ग्रहों पर विचार' सत्र और 'धूमकेतु शिल्प' कार्यशालाएँ भी शामिल होंगी, जहाँ छात्र खगोलीय घटनाओं को स्वयं बना और समझ सकते हैं। जिमी आहूजा, STEM के प्रमुखऑर्किड्स द इंटरनेशनल स्कूल में, कहा, गो कॉस्मो, विज्ञान को आकर्षक और अनुभवात्मक बनाने के हमारे दृष्टिकोण को दशार्ता है। रचनात्मकता और वैज्ञानिक अन्वेषण के संयोजन से, बच्चे न केवल खगोल विज्ञान की अवधारणाओं को सीखते हैं, बल्कि आवश्यक समस्या-समाधान और विश्लेषणात्मक कौशल भी विकसित करते हैं। हालिया रिपोर्टों के अनुसार, भारत का अंतरिक्ष उद्योग दुनिया में आठवां सबसे बड़ा उद्योग बनकर उभरा है, जो 96,000 से अधिक प्रत्यक्ष और 4.7 मिलियन अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित कर रहा है।

संगीता गजभरे - ऑर्किड्स द इंटरनेशनल स्कूल, ठाणे परिसर की प्रधानाचार्या- कहा, ऑर्किड्स में, हम अपने छात्रों को पाँच साल की उम्र से ही आकर्षक तारामंडल शो और हमारी समर्पित अंतरिक्ष प्रयोगशालाओं में गतिविधि-आधारित शिक्षा के माध्यम से खगोल विज्ञान के चमत्कारों से परिचित कराते हैं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

इस धनतेरस के शुभ अवसर पर फोनपे लाया है 24 डिजिटल गोल्ड पर शानदार कैशबैक ऑफर!

मुंबई। धनतेरस के शुभ अवसर पर, आज फोनपे ने अपने ग्राहकों के लिए 24 के डिजिटल गोल्ड की खरीद पर रोमांचक कैशबैक ऑफर्स की घोषणा की है। फोनपे से न्यूनतम 2000 तक का डिजिटल गोल्ड खरीदने पर यूजर्स 2% का फ्लैट कैशबैक (2000 तक) प्राप्त कर सकते हैं। यह ऑफर 18 अक्टूबर, 2025 को केवल वन-टाइम ट्रांजेक्शन पर लागू होगा (जो कि प्रति यूजर के लिए एक बार वैलिड होगा)। यूजर फोनपे प्लेटफॉर्म पर MMTC-PAMP, सेफगोल्ड और कैरेटलेन जैसी डिजिटल गोल्ड क्षेत्र की अग्रणी और विश्वसनीय कंपनियों से 99.99% शुद्धता-प्रमाणित 24 कैरेट डिजिटल गोल्ड खरीद सकते हैं। पूरे भारत में 1.6 करोड़ से ज्यादा ग्राहकों ने फोनपे प्लेटफॉर्म पर उच्च शुद्धता वाला 24 कैरेट गोल्ड खरीदा है। वन-टाइम शॉपिंग के अलावा, फोनपे यूजर्स को डेली या मंथली SIP के माध्यम से डिजिटल रूप से गोल्ड में निवेश करने की सुविधा भी देता है और ग्राहकों को व्यवस्थित रूप से लंबे समय के लिए निवेश करने में मदद करता है। ग्राहकों के पास किसी भी राशि (5 रुपये जैसी कम राशि से शुरू) से निवेश करने और अपने गोल्ड को कभी भी बेचने की सुविधा भी है, और यह राशि सीधे उनके बैंक अकाउंट में जमा हो जाएगी।

अखिल ब्राह्मण विकास प्रतिष्ठान के प्रयासों से अपहृत नाबालिग लड़कियां बरामद

ठाणे। कासारवडवली पोलिस स्टेशन, ठाणे से सुमन यादव (बदला हुआ नाम) की दो अपहृत नाबालिग बेटी को अखिल ब्राह्मण विकास प्रतिष्ठान, भारत संगठन की मदद से पुलिस ने पुणे से बरामद कर लिया है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. कमलेश रामयज्ञ पाण्डेय ने पुलिस कमिश्नर ठाणे शहर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके दिशा निर्देशन में नाबालिग लड़की दो दिन के अंदर पुणे शहर से बरामद हो पाई। १३ सिप्तंबर को अपहृत नाबालिग लड़कियो को कासारवडवली पोलिस स्टेशन की पुलिस की बहुत ही बड़ी लापरवाही सामने आने के बाद अखिल ब्राह्मण विकास प्रतिष्ठान, भारत संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं.कमलेश रामयज्ञ पाण्डेय ने अपने पदाधिकारियों के साथ पुलिस कमिश्नर ठाणे शहर से मिलकर कासारवडवली पोलिस स्टेशन पर दबाव डाल कर नाबालिग बच्चियों को बरामद कराया और आरोपी भी गिरफ्तार हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्राह्मण रत्न पं कमलेश रामयज्ञ पाण्डेय ने संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ब्राह्मण शिरोमणि पं संदीप पाण्डेय, पं गीता मिश्रा उपाध्यक्ष जिला ठाणे, पं आशीष तिवारी महासचिव उत्तर प्रदेश, पं अश्विन पाण्डेय सचिव महाराष्ट्र प्रदेश, पं धर्मेंद्र पाण्डेय उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश, पं ममता त्रिपाठी संयोजक महाराष्ट्र प्रदेश, पं मनोरमा उपाध्याय महासचिव जिला ठाणे सभी लोगो के प्रति आभार व्यक्त किया।

वाड़ा पालघर में सरदार पटेल की 150 वीं जयंती का आयोजन

पालघर। अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा, महाराष्ट्र प्रदेश के तत्वावधान में देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री, भारत रत्न लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती समारोह का भव्य आयोजन तानसा ग्लोबल स्कूल, मेट, वाडा जिला पालघर पर 30 अक्टूबर 2025 शाम 4 बजे से किया गया है। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में महासभा के राष्ट्रीय संरक्षक एल.पी.पटेल, राष्ट्रीय महिला अध्यक्षा श्रीमती लता चंद्राकर, वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. बाबूलाल सिंह पटेल, महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष संजय पाटील, महासचिव जयेश शेलार पाटील, कोषाध्यक्ष संदीप काळे पाटील, युवा प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद ठोंबे पाटील, महिला अध्यक्षा डॉ शोभाताई गायकवाड, छत्रपति शिवाजी महाराज मंदिर के निमार्ता डॉ राजूभाऊ चौधरी, वारकरी तत्त्वज्ञान विद्यापीठ के संचालक ह.भ.प.कैलाश महाराज निचिते, अजित राऊत, मंगेश चौधरी उपस्थित रहेंगे। समारोह में सम्मानित अतिथि के रूप में उद्योग महासभा प्रदेश अध्यक्ष समीर पाटिल, नरेश अखरे पाटिल, कोंकण विभागीय अध्यक्ष तुकाराम पस्टे, सुभाष पाटिल, सीताराम पाटील, भाई कराळे, विजय राव, मोहन पाटील, राजेंद्र पाटिल और सुबोध कुमार सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्तित्व उपस्थित रहेंगे।

स्नेहा दुबे पंडित ने नाई समाज स्नेह संमेलन मे संबोधित किया

वसई रोड। स्वामी नारायण मंदिर हॉल, वसई पश्चिम मे स्वामी नारायण मंदिर हॉल, वसई पश्चिम में नानी छठ नाई समाज स्नेह सम्मेलन के भव्य आयोजन किया गया। समाज में एकता, परस्पर सहयोग और प्रगति का संदेश देने वाला यह स्नेह सम्मेलन उत्साह, हर्ष और स्नेह के वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मेरे साथ अध्यक्ष रमेश पारेख, सचिव जीवराम भाई, कोषाध्यक्ष गौतम भाई, साथ ही भाजपा वसई-विरार शहर जिला महामंत्री बिजेन्द्र कुमार, मनोज शर्मा, लालजी कनोजिया, कल्पेश चौहान, सुनील पांडे, प्रवेश दुबे, साईराज पवार, जितेन्द्र पांडे सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु, नागरिक और कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस अवसर पर यह व्यक्त किया गया कि इस स्नेह सम्मेलन से समाज में एकता, संस्कृति एवं विकास की दिशा और मजबूत होगी। सम्मेलन को स्नेहा दुबे पंडित ने भी संबोधित किया।

बेमौसम बारिश से खेती को भारी नुकसान, महेश गायकवाड़ ने प्रशासन को दी चेतावनी

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व, के मलंगगढ़ के ग्रामीण इलाकों में पिछले कुछ दिनों से हो रही बेमौसम बारिश से खेती को भारी नुकसान हुआ है। कई किसानों की फसलों पर पानी जमा हो गया है और कृषि उत्पाद पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं। इस स्थिति के कारण किसान बहुत संकट में हैं, इन किसानों को तत्काल आर्थिक सहायता दी जाए अन्यथा संबंधित अधिकारियों को दफ्तर से बाहर नहीं निकलने दिया जाएगा, जनसेवक महेश गायकवाड़ ने प्रशासन को परोक्ष चेतावनी दी है। मंगलवार को महेश गायकवाड़ ने स्वयं किसानों के खेती का दौरा किया और नुकसान का जायजा लिया और किसानों से बातचीत की। उन्होंने उनकी समस्याएं सुनीं और प्रशासन से अपील की कि वे संकटग्रस्त किसानों की तुरंत मदद के लिए आगे आएं। मीडिया से बात करते हुए, महेश गायकवाड़ ने कहा कि संबंधित तहसीलदार, तलाठी और ग्राम पंचायत के सभी अधिकारी इस क्षतिग्रस्त खेती के विषय को गंभीरता से लें और क्षतिग्रस्त खेती का निरीक्षण कर पंचनामा तैयार करें और प्रभावित किसानों को बिना किसी देरी के आर्थिक सहायता प्रदान करें। अगर अधिकारी दो दिनों के भीतर अपनी ज़िम्मेदारी नहीं निभाते हैं, तो वे उनके कार्यालय आएँगे, लेकिन अधिकारी को अपने घर वापस नहीं जाने दिया जाएगा! जबतक किसानों का काम पूरा नही होगा। महेश गायकवाड़ ने इन सभी आपदा प्रभावित किसानों और उनके परिवारों से मुलाकात की और उन्हें आश्वस्त किया, उनसे धैर्य बनाए रखने की अपील की और उन्हें सभी आवश्यक सहायता का आश्वासन दिया।

डोंबिवली से कांग्रेसी पूर्व नगर सेवक शिवसेना में प्रवेश

डोंबीवली (उत्तरशक्ति)। उपमुख्यमंत्री एकनाथजी शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना अब और सशक्त हो रही है राज्य के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में बड़ी संख्या में नागरिक शिवसेना के संगठन से जुड़ रहे हैं। उपमुख्यमंत्री के विकासोन्मुखी कार्यों से प्रभावित होकर विभिन्न दलों के जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी शिवसेना में शामिल हो रहे हैं।

इसी कड़ी में आज उपमुख्यमंत्री की उपस्थिति में कांग्रेस के डोंबिवली शहर के पूर्व नगरसेवक सदाशिव शेलार, पूर्व कांग्रेस नगरसेविका दर्शना शेलार ने सार्वजनिक रूप से शिवसेना की सदस्यता ग्रहण की और भगवा धारण किया। उनके साथ अजय शेलार, हीरामन मोरे, दशरथ म्हात्रे, प्रतीक शेलार, पुण्यदान सरोदे, राहुल पाधाड़े, मोहन भोसले, ख्वाजा शेख, सलिल चौधरी, प्रसाद कीर, विशाल म्हात्रे एवं बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शिवसेना में शामिल हुए। इस अवसर पर सभी का पार्टी में स्वागत किया गया और उनके भावी राजनीतिक एवं सामाजिक सफर के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

इस अवसर पर मंत्री प्रताप सरनाईक, विधायक राजेश मोरे, शिवसेना सचिव भाऊसाहेब चौधरी, उप जिला प्रमुख राजेश कदम, कविता गावंड, उप शहर प्रमुख बाला म्हात्रे, युवा सेना अध्यक्ष सागर जेधे, विभाग प्रमुख संदेश पाटिल सहित स्थानीय पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे.

समान शिक्षा से ही बनेगा समान भारत

देश को वन नेशन, वन इलेक्शन नहीं, वन नेशन, वन एजुकेशन चाहिए: पंकज गुप्ता

पालघर(उत्तरशक्ति)। देशभर में वन नेशन, वन इलेक्शन पर चल रही चचाओं के बीच अब ह्ल वन नेशन, वन एजुकेशन की आवाज बुलंद होने लगी है। पालघर के पंकज गुप्ता ने शिक्षा के क्षेत्र में सुधार की एक नई मुहिम छेड़ी है। उनका कहना है कि समान शिक्षा व्यवस्था ही सच्ची आजादी का आधार है, क्योंकि जब हर बच्चे को एक जैसी शिक्षा मिलेगी तभी भारत वास्तव में समान अवसरों वाला राष्ट्र बन सकेगा।

पंकज गुप्ता ने शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार (नई दिल्ली) को जिलाधिकारी, पालघर के माध्यम से एक औपचारिक निवेदन पत्र भेजा है। इसमें उन्होंने तीन प्रमुख बिंदुओं पर ध्यान दिलाया है– 1. कक्षा 1 से 12वीं तक समान शिक्षा नीति लागू की जाए। 2. उच्च शिक्षा मातृभाषा में उपलब्ध कराई जाए। 3. कौशल विकास (स्किल डेवलपमेंट) को संवैधानिक अधिकार का दर्जा दिया जाए। गुप्ता ने कहा कि वर्तमान में देशभर में अलग-अलग बोर्ड और पाठ्यक्रम होने के कारण छात्रों के बीच शिक्षा का असमान स्तर बन गया है। ग्रामीण क्षेत्र के छात्र और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थी इस असमानता के कारण पीछे रह जाते हैं। उन्होंने कहा कि ह्ल अगर देशभर में एक समान शिक्षा प्रणाली लागू होगी, तो हर छात्र को प्रतियोगी परीक्षाओं में बराबरी का मौका मिलेगा। ह्व उन्होंने आगे कहा कि उच्च शिक्षा मातृभाषा में दिए जाने से विद्यार्थियों की समझ और आत्मविश्वास दोनों बढ़ेंगे। इंजीनियरिंग, मेडिकल, लॉ, आईटी जैसे विषयों की पढ़ाई अपनी भाषा में करने से ग्रामीण और मध्यमवर्गीय छात्र भी आगे बढ़ सकेंगे। गुप्ता ने यह भी प्रस्ताव रखा कि जैसे शिक्षा का अधिकार (राइट टू एजुकेशन) कानून है, वैसे ही देश में कौशल विकास का अधिकार (राइट टू स्किल डेवलपमेंट) भी लागू किया जाए। इससे हर छात्र को रोजगारपरक प्रशिक्षण मिलेगा और वह आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान दे सकेगा। इस अभियान को अब शिक्षाविदों और सामाजिक संगठनों का समर्थन मिल रहा है। लोग मानते हैं कि यह विचार केवल शिक्षा सुधार नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण की दिशा में क्रांतिकारी कदम है। अंत में पंकज गुप्ता ने कहा कि एक जैसी शिक्षा से ही एक जैसा भारत बनेगा। जब हर बच्चा समान अवसर पाएगा, तभी देश सशक्त और समृद्ध बनेगा।

पेटीएम ने एनआरआई के लिए नई सुविधा

मुंबई। पेटीएम जो MSMEs और एंटरप्राइजेज के लिए भारत का अग्रणी फुल-स्टैक मर्चेंट पेमेंट्स प्लेटफॉर्म और फाइनेंशियल सर्विसेज डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी है, ने घोषणा की है कि अब 12 देशों में रहने वाले एनआरआई (NRIs) अपने अंतरराष्ट्रीय मोबाइल नंबर से पेटीएम ऐप पर लॉगिन कर सकते हैं और NRE या NRO अकाउंट के माध्यम से सहज वढकपेमेंट्स कर सकते हैं। इस सुविधा के तहत, एनआरआई अब भारत में रोजमर्रा के लेनदेन कर सकते हैं – चाहे दोस्तों और परिवार को पैसे भेजने हों, दुकानों, रेस्टोरेंट्स या किसी स्थानीय व्यापारी को भुगतान करना हो, या फिर भारतीय ऐप्स और वेबसाइट्स पर ऑनलाइन खरीदारी करनी हो।अब उन्हें न तो इंटरनेशनल पेमेंट गेटवे की जरूरत होगी और न ही करेंसी कन्वर्जन की। वे अपने खातों के बीच या किसी भी UPI ID या UPI लिंक्ड मोबाइल नंबर पर तुरंत पैसे भेज सकते हैं, जिससे रेमिटेंस डिले और फॉरेक्स चार्ज की समस्या खत्म हो जाती है। अब पेटीएम वढककी सुविधा एनआरआई को दुनिया में कहीं से भी – भारत आए बिना या स्थानीय सिम कार्ड के बिना – उपलब्ध होगी। यह सेवा NPCI द्वारा समर्थित है और 12 देशों के निवासियों के लिए उपलब्ध है।

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

चंदौली में अनियंत्रित ट्रक ने छठ पूजा में जा रहे तीन लोगों को रौंदा, दो महिला और एक मासूम की मौत

चंदौली (उत्तरशक्ति)। अलीनगर थाना क्षेत्र के रेवसा गांव के समीप ट्रक की चपेट में आने से मंगलवार की भोर में एक ही परिवार के मासूम सहित तीन लोगों की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया।

अलीनगर थाना क्षेत्र के रेवसा गांव निवासी सुखराम की पत्नी कुमारी देवी (52), बहु चांदनी (27) और पोता सौरभ कुमार (7) के साथ मंगलवार को करीब 5 बजे भोर में छठ पूजा देखने के लिए निकले थे। तीनों हाईवे के किनारे स्थित मेघा बाबा का दर्शन कर जैसे ही नेशनल हाईवे किनारे से तीनों पैदल जाने लगे कि पीडीडीयू नगर की तरफ से जा रहे ट्रक तीनों को कुचलते हुए मंदिर को क्षतिग्रस्त कर दिया। वहीं, बाइक व गोमती को भी क्षतिग्रस्त करते हुए अंधेरा का फायदा उठाते हुए भाग निकला। आसपास के लोगों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया। इसकी जानकारी परिजनों को होते ही कोहराम मच गया। एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत से पूरा गांव मर्माहत है। सुखराम के पुत्र रंजीत कुमार की शादी 9 वर्ष पूर्व चांदनी से हुई थी। जिसका इकलौता पुत्र सौरभ कुमार (7) वर्ष था। सुखराम मजदूरी व रंजीत पेंटर का काम कर घर परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे। नेशनल हाईवे किनारे एक भाजपा नेता के स्कूल के पास अभी तक सर्विस रोड नहीं बनने से आधा दर्जन लोगों की मौत हो गई। इसकी शिकायत भी कई बार ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से लेकर एनएचआई तक किया। सत्ता पक्ष के दबाव के कारण अभी तक यह मामला ठंडा बस्ता में पड़ा हुआ है।

पीयू के छात्र आशीष सिंह का बहुराष्ट्रीय कंपनी यूपीएल में चयन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के वित्त अध्ययन विभाग के प्रतिभाशाली छात्र आशीष सिंह ने अपनी मेहनत और लगन से सफलता की नई मिसाल पेश की है। आशीष का चयन देश की प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय कंपनी यूपीएल, पुणे, महाराष्ट्र में हुआ है। आशीष ने एमबीए (फाइनेंस) की डिग्री पूर्वांचल विश्वविद्यालय से प्राप्त की है। आशीष का मानना है कि विश्वविद्यालय का सेंट्रल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल से उन्होंने काफी कुछ सीखा है। उन्होंने बताया कि सीटीपीसी द्वारा आयोजित सॉफ्ट स्किल्स और पर्सनालिटी डेवलपमेंट सत्र उनके करियर निर्माण में अत्यंत उपयोगी रहा। साथ ही उन्होंने सुझाव दिया कि छात्रों के लिए और अधिक मॉक इंटरव्यू तथा ग्रुप डिस्कशन आयोजित किए जाएं। आशीष ने कुलपति प्रो. वंदना सिंह और सीटीपीसी सेल के निदेशक प्रो. प्रदीप कुमार के मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया।

मऊ से बहला-फुसलाकर लाई गई युवती से सामूहिक दुष्कर्म, दो आरोपी गिरफ्तार

लाइन बाजार थाना क्षेत्र के महंगुपुर में घटी वारदात, एक आरोपी अब भी फरार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के लाइन बाजार थाना क्षेत्र के महंगुपुर गांव में एक युवती से सामूहिक दुष्कर्म की घटना ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। पीड़िता की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी मौके से फरार हो चुके थे। पुलिस ने तीन नामजद युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार, पीड़िता मऊ जनपद की निवासी है। उसकी सोशल मीडिया चैटिंग के जरिए आरोपियों में से एक युवक से पहचान हुई थी। उसी के बहाने युवती को जौनपुर बुलाया गया, जहां उसे महंगुपुर क्षेत्र में ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म किया गया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने शनिवार को ही मामला दर्ज कर लिया था। सोमवार को युवती का मेडिकल परीक्षण कराया गया।

थाना प्रभारी सतीश सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सतीश मौर्य निवासी बिहरोजपुर थाना जफराबाद तथा वारिश अली निवासी ताड़तला थाना कोतवाली नगर को गिरफ्तार कर लिया है। तीसरा आरोपी अब भी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस टीम लगातार दबिश दे रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि युवती को तीनों युवक बहला-फुसलाकर मऊ जनपद से जौनपुर लाए थे। पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ की जा रही है, वहीं फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें गठित की गई हैं।

एम.डी.एम.ए. बनाने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

बरसठी पुलिस को मिली बड़ी सफलता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर पुलिस को एक बड़ी कामयाबी मिली है। थाना बरसठी पुलिस ने स्वाट, एसओजी और गामा टीम के साथ संयुक्त अभियान चलाकर अवैध मादक पदार्थ एम.डी.एम.ए. (MDMA) बनाने और उसकी तस्करी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने मौके से तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 300 ग्राम तैयार एम.डी.एम.ए., निर्माण सामग्री (अंतर्राष्ट्रीय कीमत करीब एक करोड़ रुपये), रू.1,10,000 नकद और एक स्विफ्ट डिजायर कार बरामद की है।

कार्रवाई का विवरण: पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत, अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) आतिश कुमार सिंह व क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूँ गिरेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में संयुक्त टीम ने 27 अक्तूबर की रात करीब 10 बजे मुखबिर की सूचना पर ग्राम पाली (थाना बरसठी) में छापा मारा।

छापेमारी में तीन आरोपी: संतोष तिवारी, अभीत तिवारी, अंकित तिवारी,को उनके घर से एम.डी.एम.ए. बनाते समय रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया।

बरामद सामग्री, 300 ग्राम तैयार एम.डी.एम.ए: 1 किलो कास्टिक सोडा, 6 किलो ब्लैक पेपर, 500 ग्राम सफेद रैपर रू.1,10,000 नकद इलेक्ट्रॉनिक तराजू स्विफ्ट डिजायर कार (वढ50 इह 9880) बरामदगी की अंतर्राष्ट्रीय कीमत लगभग ?1 करोड़ रुपये आंकी गई है।

पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे: पूछताछ में आरोपी अभीत तिवारी ने बताया कि गिरोह का मुख्य सरगना वही है, जिसने एम.डी.एम.ए. बनाना अपने चाचा संदीप तिवारी (रासायनिक अभियंता) से सीखा। गिरोह मादक पदार्थ की सप्लाई मुंबई, हरियाणा और जौनपुर के कुछ विशेष व्यक्तियों को करता था।

अभीत तिवारी पहले भी गुरुग्राम (हरियाणा) में NDPS एक्ट में जेल जा चुका है। पंजीकृत अभियोग उक्त आरोपियों के विरुद्ध मु.अ.सं. 225/25 धारा 8/22 NDPS एक्ट, थाना बरसठी, जनपद जौनपुर में अभियोग पंजीकृत किया गया है।

गिरफ्तारी करने वाली टीम: देवानंद रजक, प्रभारी निरीक्षक बरसठी, रामाश्रय राय, प्रभारी स्वाट टीम, तरुण कुमार श्रीवास्तव, प्रभारी गामा टीम, अनिल कुमार, प्रभारी एसओजी, मनोज ठाकुर, प्रभारी सर्विलांस।

पुलिस अधीक्षक जौनपुर ने कहा कि जौनपुर पुलिस नशे के कारोबार के खिलाफ सख्त रुख अपनाए हुए है। इस गिरफ्तारी से एम.डी.एम.ए. जैसे खतरनाक ड्रग की तस्करी पर बड़ा अंकुश लगेगा। ऐसे अपराधियों के विरुद्ध कठोरतम कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

शाहगंज में छठ पूजा के दौरान करंट की चपेट में आए दो युवक, हालत गंभीर

मची अफरा-तफरी

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। छठ पूजा के दौरान उस वक्त हड़कंप मच गया जब करंट उतरने से दो लोग गंभीर रूप से झुलस गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और लोग सुरक्षित स्थान की ओर भागने लगे। गनीमत रही कि समय रहते स्थिति संभाल ली गई, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, छठ घाट पर पूजा की तैयारियां चल रही थीं, तभी अचानक बिजली के तार में शॉर्ट सर्किट से करंट उतर आया। उसी दौरान पास में मौजूद दो व्यक्ति उसकी चपेट में आ गए और बुरी तरह झुलस गए।

मौके पर मौजूद लोगों और पुलिस ने तुरंत दोनों घायलों को शाहगंज सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल जौनपुर रेफर कर दिया।

झुलसे लोगों में एक की उम्र लगभग 17 वर्ष और दूसरे की उम्र करीब 40 वर्ष बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि हादसा बिजली लाइन में आई खराबी और बारिश के दौरान हुए शॉर्ट सर्किट के कारण हुआ।

स्थानीय लोगों ने बताया कि उन्होंने तत्काल बिजली विभाग के अधिकारियों को फोन कर जानकारी दी, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुआ। हादसे के बाद प्रशासन ने बिजली आपूर्ति बंद करवाकर स्थिति को नियंत्रित किया।

सौभाग्य से उस समय घाट पर श्रद्धालुओं की भीड़ अधिक नहीं थी, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। पुलिस और प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर स्थिति की जांच शुरू कर दी है।

गोमती नदी में डूबने से युवक की मौत, मचा कोहराम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आस्था और श्रद्धा के बीच छठ महापर्व के मौके पर मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के मियांपुर गांव निवासी सचिन निषाद पुत्र राजमणि की गोमती नदी में डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में मातम छा गया।

जानकारी के अनुसार, मियापुर घाट पर छठ पूजा चल रही थी। इसी दौरान सचिन निषाद एक अन्य साथी के साथ नदी में स्नान करने और तैरने के लिए उतरा। दोनों कुछ दूर तक तैरते गए, तभी सचिन अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उसका साथी किसी तरह तैरकर किनारे आ गया, लेकिन सचिन की जान नहीं बच पाई।

छठ घाट पर मौजूद श्रद्धालुओं ने जब युवक को डूबते देखा तो घबराहट और अफरा-तफरी मच गई। तुरंत इसकी सूचना लाइन बाजार थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और गोताखोरों की मदद से घंटों की मशक्कत के बाद युवक के शव को बाहर निकाला गया।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिवार के सदस्य घाट पर पहुंचे तो उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

छठ पर्व की खुशी के बीच हुई इस हृदयविदारक घटना ने सभी को गमगीन कर दिया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था और गोताखोरों की पर्याप्त तैनाती की मांग की है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

चंदौली में भूसे के ढेर में मिला बालिका का शव

चंदौली (उत्तरशक्ति)। अलीनगर थाना क्षेत्र के एक गांव में छह वर्षीया बालिका का शव मंगलवार की भोर में घर से कुछ दूरी पर भूसे के ढेर में मिला। पास में ही लड़की के कपड़े, बिस्कुट और गुटका के पाउच पड़े थे। इससे बालिका से दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मजदूरी कर परिवार का पेट पालने वाले मजदूर की सबसे छोटी बेटी सोमवार की शाम घर के बाहर खेल रही थी। देर रात तक वह वापस नहीं लौटी तो परिवार वालों को चिंता हुई। रात नौ बजे से बालिका की तलाश शुरू की। पूरे गांव में ढूंढने पर भी वह नहीं मिली। परिजन पुलिस के पास जाने की तैयारी करने लगे। इसी बीच, भोर में घर से पचास मीटर दूर भूसा रखने के लिए बने छावनी के पास गए तो मासूम के कपड़े दरवाजा पर देख कर शक हुआ। जब वे अंदर गए तो बिस्कुट के पैकेट और गुटका का पाउच मिला। शक होने पर भूसे को हटाया तो उसमें बालिका नग्न अवस्था में मृत पड़ी मिली। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। बालिका की हत्या की सूचना पर अलीनगर थानाध्यक्ष अनिल कुमार पांडेय और पीडीडीयू नगर के सीओ कृष्ण मुरारी शर्मा आदि पहुंच गए। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंच कर साक्ष्य जुटाए। बाद में शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर आगे की कार्रवाई में पुलिस जुटी रही। इस संबंध में सीओ कृष्ण मुरारी शर्मा ने बताया कि बालिका का शव मिला है। उसको पोस्टमार्टम के लिए भेज कर कार्रवाई की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही पता चलेगा कि बालिका से दुष्कर्म भी हुआ है या नहीं। वहीं, बालिका की मौत के बाद परिजनों का रो-रो कर हाल बेहाल है।

छठ महोत्सव में कलाकारों ने बिखेरा जलवा

सांस्कृतिक कार्यक्रम की रही धूम, परेश सिन्हा की बांसुरी ने लोगों को किया मंत्र मुग्ध

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। एक तरफ जहां लोक आस्था का महापर्व डाला छठ के पावन अवसर पर भगवान भास्कर को अर्घ देने को लाखों की भीड़ उमड़ी थी वहीं श्रद्धा और भक्ति के वातावरण से सराबोर सांस्कृतिक कार्यक्रम छठ महोत्सव में कलाकार अपने कला से उपस्थित जन समूह को भाव विभोर कर रहे थे। यह दृश्य है मंगलवार शहर के भामा शाह नमामि गंगे घाट का जहां भोजपुरी विकास मंच एवं छठ पूजा समिति द्वारा आयोजित दो दिवसीय छठ महोत्सव के समापन अवसर का।

उक्त अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवा निवृत्त न्यायाधीश अजय श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि मनीष मिश्र(डिप्टी रीजनल मैनेजर एस बी आई लाइफ) पूर्व चेयरमैन दिनेश टंडन, दुर्गापूजा महासमिति के संरक्षक निखिलेश सिंह ने कलाकार एवं गायक अवधेश पाठक, सूर्य प्रकाश मिश्र बल्ला गुरु, राहुल पाठक, सविता पाठक, श्वेता, प्रियांशी, मनोज सोनी कोमल, कुसुम सोनकर, सविता गुंजन, राहुल चंद्रा, सेजल ठाकुर, बांसुरी वादक परेश सिन्हा को स्मृति चिह्न और अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया इसके पूर्व मुख्य और विशिष्ट अतिथियों को बुके और स्मृति चिह्न के अतिरिक्त अंगवस्त्रम देकरभोजपुरी विकास मंच की तरफ से सम्मानित किया गया तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुरूआत हुआ।बतादें की सोमवार को उक्त कार्यक्रम की शुरूआत कुलपति प्रो वंदना सिंह, जिलाधिकारी दिनेश सिंह, पुलिस अधीक्षक डा.कौस्तुभ, समाजसेवी भाजपा,अनुराग सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत किया था। कार्यक्रम का संचालन दीपक सिंह ने किया तथा इस अवसर पर प्रमुख रूप से सुशील श्रीवास्तव,श्रवण जायसवाल, सोमेश्वर केसरवानी, डा.अंजना सिंह, सूर्य प्रकाश सिंह मुन्ना उपस्थित रहे।आयोजन समिति के वरिष्ठ पत्रकार राजकुमार सिंह, राहुल सिंह, आनंद कुमार सिंह, गौतम गुप्ता ने सभी आगंतुकों को आभार ज्ञापित किया।

बीरभानपुर गांव में धूमधाम से मनाया गया आस्था का महापर्व छठ

◆ उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही हुआ समापन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना क्षेत्र के बीरभानपुर गांव में धूमधाम से मनाया गया महापर्व छठ,उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही छठ महापर्व का समापन।

मान्यता है कि सूर्योदय के समय अर्घ्य देने से सुख-समृद्धि, सौभाग्य, संतान प्राप्ति की मनोकामना और संतान की रक्षा का वरदान मिलता है।

रविवार को खरना पूजन के दिन व्रतियों ने पूरे दिन उपवास कर शाम में भगवान का भोग लगाकर प्रसाद ग्रहण किया। इसके बाद 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हुआ। मंगलवार को व्रतियों ने डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया।

व्रतियों ने जल में खड़े होकर पवित्रता के साथ फल, मिष्ठान, नारियल, पान-सुपारी, फूल, अर्कपात से भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार की कुशलता के लिए प्रार्थना की। आज मंगलवार के उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय पर्व संपन्न हुआ। अर्घ्य व पूजन करने के बाद व्रतियों ने घाट पर पारण कर पर्व का समापन किया। अमित कुमार सिंह, संजय सिंह, संतोष प्रजापति, बिंद पाल, राजू वर्मा आदि भक्तों का परिवार इस पूजा में शामिल हुआ। कार्यक्रम का संचालन अनिल सिंह, एवं ओमप्रकाश सिंह मुन्ना द्वारा किया गया। विशेष सहयोग राना सिंह एवं राजू प्रधान का रहा। इस दौरान वेद प्रकाश सिंह, आनंद सिंह,आशुतोष सिंह,अंकित सिंह, अक्षत सिंह, करण सिंह, अमन सिंह, विशाल सिंह, विष्णु सिंह समेत तमाम ग्रामीण एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

आजमगढ़ में पोखरी में नहाते समय डूबने से छात्र की हुई मौत

छठ पूजा के दौरान हुआ हादसा, त्यौहार की खुशियां मातम में बदली

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद के जहानागंज थाना क्षेत्र के अनेई ग्राम सभा अंतर्गत तरछा निवासी कक्षा 6 के छात्र मनीष यादव की मंगलवार सुबह 5:30 बजे पानी में डूबने से मौत हो गई। यह हादसा छठ पूजा के दौरान गांव के सैयद बाबा की पोखरी में स्नान करते समय हुआ। अपनी बुआ की छठ पूजा के लिए गया मनीष अन्य साथियों के साथ डुबकी लगाने के बाद गहरे पानी में चला गया। कुछ देर बाद जब वह ऊपर नहीं आया तो किनारे छठ पूजा देख रहे लोगों ने पोखरी में खोजबीन शुरू किया। थोड़ी देर बाद उसे पानी से बाहर निकाला गया, परंतु तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मृतक दो भाई व एक बहन में सबसे छोटा था। पिता लालजीत यादव दिल्ली में पेंटिंग का काम करते हैं। जबकि माता गीता यादव भी मायके गई थी। सूचना मिलने पर पहुंची माता का करुण क्रंदन देख सभी की आंखें नम हो जा रही थी। थोड़ी देर में जहानागंज थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। स्वजनों द्वारा पोस्टमार्टम न कराए जाने के अनुरोध पर पुलिस ने शव को उन्हें सौंप दिया। दाह संस्कार मगई नदी स्थित गड़िहवा घाट पर हुआ। मुखाग्नि बड़े भाई आनंद यादव ने दी। इस घटना से पूरे गांव में मातम छा गया।

रोडवेज बस के धक्के से घायल ऑटो चालक की इलाज के दौरान मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लाईनबाजार क्षेत्र के चांदपुर कोल्ड स्टोर के पास गुरुवार की रात को रोडवेज बस के धक्के से घायल ऑटो चालक की वाराणसी ट्रामा सेन्टर में उपचार के दौरान शुक्रवार को मौत हो गयी। मृतक के भाई की तहरीर पर पुलिस ने सोमवार को मुकदमा दर्ज कर लिया है। मड़ियाहूं के नरायनपुर गांव निवासी शिवशंकर यादव ने तहरीर देकर आरोप लगाया है कि गुरुवार की रात उसका भाई रविशंकर यादव अपना आटो रिक्सा लेकर जौनपुर से अपने घर मड़ियाहूं आ रहा था। रास्ते में चांदपुर कोल्डस्टोर के पास रिक्शा खड़ा करके रोड के किनारे लघुशंका करने लगा। उसी समय अंबेडकर नगर डिपो की रोडवेज बस ने उसके भाई रविशंकर को धक्का मार दिया। जिससे वह बुरी तरह से जख्मी हो गया। पुलिस की मदद से उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालत में सुधार ने होने पर उसे वाराणसी ट्रामा सेन्टर रेफर कर दिया गया। शिवशंकर यादव की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्यवाई में जुट गयी है।

मध्य प्रदेश के रीवा जिले में बेमौसम बारिश का कहर, धान की फसल 50% तक बर्बाद, किसानों ने माँगा मुआवजा

संदीप कुमार सोनी

रीवा (उत्तरशक्ति)। रीवा जिले के अलग-अलग हिस्सों में हुई बेमौसम बारिश ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। कटाई के लिए तैयार खड़ी और कटी हुई धान की फसल को भारी नुकसान पहुँचा है, जिससे किसान सदमे में हैं। किसानों ने तत्काल सर्वे कराकर मुआवजे की मांग की है।

सिरमौर में भारी नुकसान: बारिश का सबसे बुरा असर सिरमौर जनपद सहित जिले के कई इलाकों में देखने को मिला। रविवार और सोमवार को हुई इस बारिश के बाद खेतों में पानी भर गया, जिससे किसानों की पकी हुई फसलें चौपट हो गईं। पकी हुई धान की फसलें बारिश के तेज झोंकों से जमीन पर गिर गई हैं, जिससे उनकी कटाई और दाना निकलना मुश्किल हो गया है। कटी फसलें सड़ने की कगार पर जिन किसानों ने फसलें काट ली थीं, वह पानी में पूरी तरह भीगकर सड़ने की कगार पर पहुँच गई हैं।

50% तक उपज बर्बाद: किसानों ने बताया कि पहले खाद की कमी के कारण उपज देर से तैयार हुई और अब अंतिम समय में इस बारिश ने उनकी कमर तोड़ दी है। किसानों का अनुमान है कि इस दो दिन की बारिश से उन्हें तकरीबन 50% फसल का नुकसान हुआ है।

जायसवाल समाज ने मनाई कुलदेवता की जयंती

◆ समाज को एकजुट करने का लिया संकल्प

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के सब्जी मंडी में स्थित आदि शक्ति संस्था ट्रस्ट द्वारा संचालित दुर्गा माता मंदिर में मंगलवार की शाम करीब 4 बजे जायसवाल समाज के कुलदेवता सहस्त्रबाहु अर्जुन की जयंती नगर अध्यक्ष कृष्ण कुमार जायसवाल की अध्यक्षता में मनाई गई। इस मौके पर उपस्थित समाज के लोगों ने कार्तवीर्य राजराजेश्वर सहस्त्रबाहु अर्जुन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम के दौरान जायसवाल समाज को संगठित कर सामाजिक कुरूतियों को समाप्त करने का संकल्प लिया गया। इस मौके पर वक्ताओं ने कुलदेवता के जीवन पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि वे श्रीहरि विष्णु के 24वें अवतार थे। उन्होंने त्रिलोक विजयी रावण को हराया था और सात महाद्वीपों और ब्रह्मांड पर विजय प्राप्त की। वे एक धर्मपरायण राजा थे। कार्यक्रम में समाज को एकजुट रखने के साथ-साथ सामाजिक बदलाव और सुधार के लिए अपने संकल्पों को दोहराया। सभी ने यह प्रण लिया कि वे समाज की प्रगति के लिए काम करेंगे और सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने का प्रयास करेंगे। इस मौके पर जिलाध्यक्ष सर्वेश जायसवाल, दिलीप जायसवाल, ध्रुव जायसवाल, राधेश्याम जायसवाल, अनूप जायसवाल, शिवशंकर जायसवाल, श्रेयश जायसवाल ईशु, दिलीप जायसवाल ओम साईं, दिलीप जायसवाल राजू, राजेंद्र जायसवाल, अरविंद जायसवाल, वेदप्रकाश जायसवाल, संजय जायसवाल, संदीप जायसवाल, दिनेश जायसवाल, राजीव जायसवाल, सुधीर कुमार जायसवाल, अशोक जायसवाल, अनिल जायसवाल सहारा, रोहन जायसवाल, शुभांशू जायसवाल, अंकित जायसवाल, अमरनाथ जायसवाल, प्रशांत जायसवाल, गौरीशंकर जायसवाल राजू, आशीष कुमार जायसवाल, संजय जायसवाल, वेद प्रकाश बचाऊ गुप्ता, राधेश्याम जायसवाल, सुग्रीव जायसवाल, संजय जायसवाल मेडिकल, सुधीर जायसवाल शालू, संजय जायसवाल, दिवाकर जायसवाल, नितिन जायसवाल, रवि जायसवाल, राहुल जायसवाल समेत समस्त स्वजातीय बंधु मौजूद रहे।

छठ घाटों पर अनुमंडल प्रशासन ने रखी थी पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में छठ घाट पर शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए विभिन्न स्थानों पर सीआईएसएफ, आईटीबी पी व बिहार पुलिस और प्रशासन के जवान तैनात किए गए थे। जो व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित कर रखे थे। उनके साथ एक बिहार पुलिस व एक -एक राजस्व अधिकारी को लगाया गया था। बोले अनुमंडल के अधिकारी अनुमंडल के एसडीओ अनीता सिन्हा छठ के व्रती होने के बावजूद अनुमंडल के एसडीपीओ अमन कुमार के साथ क्षेत्र के सभी बूथों का भ्रमण कर शांति व्यवस्था का जायजा लिया । व लोगों को शुभकामनाएं दी। अधिकारी ने कहा कि चुनाव के वक्त सुरक्षा बलों की तैनाती से छठ पूजा के दौरान शांति और सुरक्षा बनाए रखने में मदद मिली।

उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हुआ छठ व्रत

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज प्रखंड क्षेत्र में छठ पूजा का समापन चौथे दिन मंगलवार को समाप्त हो गया । जिसमें श्रद्धालुओं ने उगते सूरज को अर्घ्य देकर अपनी श्रद्धा और आस्था का प्रदर्शन किया। यह पर्व सूर्य देवता की पूजा के लिए मनाया जाता है, जिसमें व्रती अपने परिवार की सुख-समृद्धि और स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करते हैं। छठ पूजा के दौरान श्रद्धालुओं ने पवित्रता के साथ कठोर व्रत रखा और सूर्य देवता को अर्घ्य देने के लिए नदियों , तालाबों और जलाशयों के किनारे इकट्ठे हुए। इस अवसर पर वातावरण भक्तिमय और प्रसन्नता से भरपुर तौर-तरीके से संपन्न हुआ। छठ पर्व में व्रतियों ने पर्व के पहले दिन 25 अक्टूबर को खाए-खाए - नहाए बाद दूसरे दिन 26 अक्टूबर को खरना रसियाव रोटी के तीसरे दिन 27 अक्टूबर को संध्या में अस्ताचल सूर्य को छठ घाट पर अर्घ्य दिया। चौथे और अंतिम दिन मंगलवार को उदयीमान सूर्य को सुबह 5:33 से 6:30 तक उगते सूर्य को अर्घ्य दिया। इस प्रकार चार दिवसीय छठ पूजा व्रत पारण के साथ संपन्न हुआ।

उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हुआ बिहार प्रदेश नागरिक मंडल द्वारा सूर्यषष्ठी व्रत महोत्सव

तारकेश्वर पांडे-
मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। काशीमीरा में छठ पूजा लोक आस्था का महापर्व बिहार प्रदेश नागरिक मंडल द्वारा सार्वजनिक सूर्यषष्ठी व्रत महोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। यह कार्यक्रम काशीमीरा जरी मरी तालाब पर संपन्न हुआ, यहां पर बिहार प्रदेश नागरिक मंडल के अध्यक्ष मुकेश सिंह के अलावा समिति के सदस्य एवं पदाधिकारीयों ने व्यवस्था को दुरुस्त रखा था। वहीं पर सुरक्षा की बात करें तो काशी गांव थाना के पुलिस सुरक्षा में मुस्तैद रही जहां पर भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने तथा खासकर महिलाएं चार दिन निर्जला उपवास रखती है। इसीलिए छठ व्रत को महान व्रत माना गया है, सोमवार संध्या काल में ढलते सूर्य को अर्घ्य दिया और दूसरे दिन मंगलवार को उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर अपनी आस्था और श्रद्धा से छठी मईया से प्रार्थना किया घर में सुख शांति समृद्धि बनी रहे। कार्यक्रम की दौरान इस अवसर पर स्थानीय भाजपा नेता विधायक नरेंद्र मेहता ने अपने पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ उपस्थिति दर्ज कराई, छठी मईया से लिया आशीर्वाद। वहीं शिवसेना विधायक वो महाराष्ट्र परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक का आगमन हुआ जहां पर दोनों नेताओं को समिति द्वारा स्वागत सम्मान किया गया।

कहानी अभी बाकी है कि बारे में फिल्म निमार्ता शशांका घोष ने कहा हर फ्रेम की एक कहानी है

मुंबई। 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए समर्पित लाईफस्टाईल ऐप, जेन एस लाईफ अनुभवी कलाकार टीकू तलसानिया के साथ एक बेहतरीन शुरूआत के बाद शेमारू लाईफस्टाईल के यूट्यूब चैनल, कहानी अभी बाकी है पर नए एपिसोड के साथ अपने प्रेरणाप्रद सफर को आगे बढ़ा रहा है। इस एपिसोड में मशहूर फिल्मनिमार्ता शशांका घोष आ रहे हैं, जिन्होंने चैनल वी के प्रसिद्ध प्रोमो और शो तैयार किए हैं। वो खूबसूरत, वीरे दी वेडिंग, क्विक गन मुरुगन और फ्रेडी जैसी फिल्में भी बना चुके हैं। होस्ट तराना राजा के साथ इस हृदयस्पर्शी और मनोरंजक बातचीत में शशांक घोष बता रहे हैं कि 90 के दशक में युवाओं के टेलीविजन में क्रांति लाने से लेकर महिलाओं के साथ दोस्ती के मायने बदलने तक किस प्रकार वो अपना रचनात्मक सफर आगे बढ़ाते रहे।

घोष ने कहा, अगर आप पीछे देखते रहेंगे, तो आगे बढ़ना मुश्किल हो जाएगा। मैंने जान लिया है कि उपयोगिता बनाए रखने का मतलब ट्रेंड में बने रहना या युवा बने रहना नहीं है। इसका मतलब है खुले दिमाग का होना, रुचि बनाए रखना। जैसे ही आपके अंदर की जिज्ञासा खत्म होने लगती है, आपकी उम्र बढ़ना शुरू हो जाती है। मैं भाग्यशाली हूँ कि मुझे ऐसे लोगों के साथ काम करने का अवसर मिला, जो मेरे मुकाबले उम्र में आधे हैं, जो मुझे लगातार चुनौती देते हैं और यही मुझे स्टोरीटेलर के रूप में जीवंत बनाए रखता है। उन्होंने सफलता और विफलता के मिली सीख के बारे में भी बताया। किस प्रकार विफलता का डर उन्हें ज्यादा मेहनत करने के लिए प्रेरित करता है और 60 की उम्र में भी उनकी जिज्ञासा कैसे बनी रहती है। उन्होंने कहा कि, मैंने विफलता देखी है। आलोचना सही है। रचनात्मकता को खोते देखा है। लेकिन हर बार, चाहे वह एक विचार हो, एक नई आवाज या फिर यकायक सामने आई एक पंक्ति, कोई न कोई मामूली सी चीज मुझे इस सब से बाहर खींच लाती है। इसीलिए मेरा मानना है कि कहानियाँ कभी खत्म नहीं होती हैं। कहानियों को लोगों के बीच पहुँचने के नए रास्ते मिल जाते हैं। कहानी अभी बाकी है केवल एक वाक्यांश नहीं, बल्कि यह मेरे जीवन जीने का तरीका है।

विधानसभा चुनाव को ले ईवीएम कमिशनिंग का काम शुरू

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज अनुमंडल मुख्यालय के एसकेजेआर हाई स्कूल सह इंटर कॉलेज परिसर में आगामी विधानसभा चुनाव के प्रयोग होने वाले ईवीएम के कमिशनिंग का काम शुरू हो गया है। सहायक निवार्ची पदाधिकारी सह बीडीओ बिंदु कुमार ने बताया कि प्रत्याशियों की मौजूदगी में ईवीएम कमिशनिंग का काम शुरू हुआ है। उन्होंने बताया कि 112-महाराजगंज विधानसभा क्षेत्र में चयनित 371 बूथों के लिए इतने ही ईवीएम का कमिशनिंग कराया जा रहा है। सहायक निवार्ची पदाधिकारी ने बताया कि कमिशनिंग के लिए कुल ईवीएम का बीस प्रतिशत ईवीएम का कमिशनिंग होगा। उस हिसाब से तकरीबन 445 ईवीएम का कमिशनिंग कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी प्रत्याशियों को ईवीएम कमिशनिंग की पूर्व सूचना दे दी गई है। प्रत्याशियों के सामने ईवीएम का कमिशनिंग कराया जा रहा है। ईवीएम कमिशनिंग को ले परिसर में एलइडी टीवी लगाया गया है। जहां बैठकर प्रत्याशी ईवीएम की कमिशनिंग को देख रहे हैं। कमिशनिंग के बाद ईवीएम को निर्धारित बज्र गृह में सुरक्षित रखा जाएगा। जिसे डिस्पैच सेंटर से चुनाव से पूर्व अधिकृत पदाधिकारी को सौंपा जाएगा। उन्होंने बताया कि 31 अक्टूबर तक ईवीएम कमिशनिंग का समय निर्धारित किया गया है। इस अवधि में किसी भी हालत में ईवीएम कमिशनिंग का काम पूरा करवा लिया जाएगा।

नालासोपारा में दो दिवसीय सार्वजनिक छठ पूजा महापर्व हर्षोल्लास के साथ संपन्न

आनंद कुमार मिश्रा
नालासोपारा (उत्तरशक्ति) हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी नालासोपारा सेवा समिति, जय ओम सेवा संस्था, आस्था एकता संस्था, भारतीय जनता पार्टी और छठ माता सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में डॉ. ओमप्रकाश दुबे की अध्यक्षता में अचोले तालाब, गालानगर तालाब और मोरेगांव तालाब पर दो दिवसीय सार्वजनिक छठ पूजा महापर्व बड़े हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। पिछले 35-36 वर्षों से नालासोपारा वसई विरार क्षेत्र में छठ पूजा कार्यक्रम पारंपरिक तरीके से आयोजित होते आ रहे हैं। इस वर्ष भी विभिन्न स्थानों पर छठ पूजा का आयोजन किया गया। पहले वसई विरार महानगर पालिका द्वारा किसी झील तालाब, नदी, समुद्र आदि प्राकृतिक जल स्त्रोतों पर छठ पूजा की अनुमति नहीं दी गई थी, इसलिए

पालघर जिला के सांसद डॉ. हेमंत सावरा, पालक मंत्री गणेश नाईक के मार्गदर्शन में नालासोपारा विधायक राजन नाईक, वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित, बोईसर विधायक विलास तरे ने नगर आयुक्त और पुलिस आयुक्त से चर्चा की और उन्हें छठ पूजा के धार्मिक और सामाजिक महत्व को समझाया। उन्हें यह भी आश्वासन दिया कि इस पूजा के दौरान मूर्तियों का विसर्जन नहीं किया जाता है, इसलिए जल स्त्रोत को नुकसान नहीं होगा और किसी भी तरह से कोई प्राकृतिक नुकसान नहीं होगा। इसलिए, हर साल की तरह पारंपारिक तरीके से छठ पूजा आयोजित करने की अनुमति मिल गई। यह पूजा सोमवार 27 अक्टूबर 2025 की शाम से मंगलवार 28 अक्टूबर 2025 की सुबह तक जारी रही। पूजा के दौरान भक्तों ने 27 तारीख को सूर्यास्त और 28 तारीख को सूर्योदय के समय सूर्य देव को अर्घ्य दिया। इन धार्मिक कार्यक्रमों में वसई - नालासोपारा - विरार की महिलाओं और अन्य भक्तों ने छठी मैया का आशीर्वाद लिया।

संतोष स्वाइन, नीरज तिवारी, अरुण सिंह, शशिकांत तेलंगे, ऋषभ तिवारी, गोविंदा शर्मा, हरिओम शर्मा, विनोद पांडे, आशा गुप्ता, छावि श्रीवास्तव, निर्वाणिक वत्स, प्रसन्नजीत सरकार, पवन देवळेकर, राजेश गुप्ता, उमेश जी, त्रिपाठी जी, चंदन स्वाइन, अनिता मौर्या, मोहित भारद्वाज, अवधेश मिश्रा, अमित चौहान, किशोर चौहान, रश्मी तिवारी, अखिलेश दुबे, राकेश मायावंशी आदि कलाकारों ने अचोले, मोरेगाव, गालानगर तीनो तालाबों पर छठ गीत और भक्ति संगीत गाकर श्रद्धालुओं का मनोरंजन किया। पालघर जिला सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा, नालासोपारा के विधायक राजन बाळकृष्ण नाईक, निवर्तमान भाजपा जिलाध्यक्ष महेंद्र पाटिल, जिला उपाध्यक्ष हरेंद्र पाटिल, जिला महासचिव जोगेंद्रप्रसाद चौबे,उपाध्यक्ष अभय कक्कड, देवराज सिंह, राजेंद्र सिंह, पंकज देशमुख, शशिकांत दुबे, कुणाल गुप्ता, आशुतोष पाटील एवं सामाजिक क्षेत्र से डॉ. राममिलन पांडे, जिलाजीत मिश्रा, जयकेशव दुबे, अनिरुद्ध तिवारी आदि मान्यवर उपस्थित थे. वसई विरार महानगर पालिका के भूतपूर्व महापौर रुपेश जाधव ने उपस्थित रहकर सभी छठव्रतीयों को बधाई एवं शुभकामनायें दी. नालासोपारा दुबे परिवार के स्त्री पुरुष बच्चे तथा उनके भी बच्चोंसहित संपूर्ण दुबे परिवार छठपूजा स्थल पर भक्तों के साथ उपस्थित था. यह दो दिवसीय सार्वजनिक छठ पूजा महापर्व कार्यक्रम श्री. नरसिंह के दुबे चॅरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष जयप्रकाश दुबे, कोषाध्यक्ष श्यामसुंदर दुबे, ट्रस्टी नरेश दुबे, नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज के डायरेक्टर और नालासोपारा सेवा समिति के अध्यक्ष डॉ. ओमप्रकाश दुबे, नालासोपारा सेवा समिति के सचिव नवलकिशोर मिश्रा इनके मार्गदर्शन मे संपन्न हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आस्था एकता संस्था के अध्यक्ष अमित ओमप्रकाश दुबे, सचिव विशाल जयप्रकाश दुबे, और ऋषभ मिश्रा, आशुतोष रोकड़े, वशिष्ठ शुक्ला, विशेष पाटील, नकुल खटाते, दीपक माने एवं मोरेगाव से दिलीप रावत, अशोक यादव, मुन्ना परदेसी , मानसिंह राजपूत , अरुण रावत, मुन्ना विश्वकर्मा, अनिल रावत,दिवाकर धूरिया, राज यादव, चंदन रावत इन्होने कड़ी मेहनत की।

बॉम्बे डाइंग की नकली उत्पादों पर मुंबई मे छापेमारी

मुंबई। भारत के सबसे पुराने और सबसे सम्मानित होम टेक्सटाईल ब्राण्ड बॉम्बे डाइंग मुख्य शहरों कोलकाता, हैदराबाद और केरल में छापेमारी के द्वारा नकली उत्पादों के खिलाफ अपनी लड़ाई को और मजबूत बना रहा है। अभी हाल ही में मुंबई के एक जाने-माने मॉल में भी इसी तरह की एक छापेमारी की गई। 145 वर्षों से अधिक की विरासत के साथ ब्राण्ड हमेशा से भरोसे, एवं इनोवेशन का पर्याय रहा है तथा गुणवत्ता के साथ समझौता किए बिना ग्राहकों को बेहतरीन उत्पाद देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस कार्रवाई के तहत बॉम्बे डाइंग ने अपनी पहचान के दुरूपयोग का भी पदार्फाश किया है। नक्ली उत्पादों को पर्पल कलर के ट्रेड मार्क के साथ बेचा जा रहा है जबकि बॉम्बे डाइंग ब्लू यानि नीले कलर में होता है। ब्राण्ड ग्राहकों से अपील करता है कि प्रोडक्ट खरीदते समय लोगो को ध्यान से चैक करें, ताकि उन्हें असली प्रोडक्ट ही बेचा जाए। अपने ग्राहकों के हितों को सुरक्षित रखने के

लिए कंपनी यह कार्रवाई कर रही है, ताकि ग्राहक जब भी बॉम्बे डाइंग खरीदें, उन्हें ब्राण्ड की असली कारीगरी ही मिले, जिसके लिए बॉम्बे डाइंग को जाना जाता है। नकली उत्पादों को असली बताकर बेचे जाने से न सिर्फ ग्राहकों को आर्थिक नुकसान होता है बल्कि ब्राण्ड द्वारा पीढ़ियों से बनाए गए भरोसे को भी नुकसान पहुंचता है। इस तरह की अनैतिक प्रथाओं पर लगाम लगाकर कंपनी अपनी इस प्रतिबद्धता को और भी मजबूत करना चाहती है कि असली उत्पादों की नकल नहीं की जा सकती।

नकली उत्पादों को रोकने हेतु सीएफओ किरोदा जेना ने कहा की, हमारी टीम नकली उत्पादों से निपटने और इस समस्या के समाधान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। यह न सिर्फ हमारे ब्राण्ड को बल्कि लाखों परिवारों के भरोसे को भी सुरक्षित रखने के लिए है। बॉम्बे डाइंग चुनने वाले हर परिवार को असली गुणवत्ता और प्रमाणिकता का अनुभव मिलना चाहिए, जो हमारे ब्राण्ड को परिभाषित करता है।

आने वाले समय में ब्राण्ड न सिर्फ नकली उत्पादों पर लगाम लगान के लिए प्रयास जारी रखेगा बल्कि साफ एवं निष्पक्ष मार्केट बनाने के लिए स्थानीय अधिकारियों, रीटेल पार्टनर्स एवं उद्योग जगत के हितधारकों के साथ भी मिलकर काम करता रहेगा। इन सभी प्रयासों के द्वारा बॉम्बे डाइंग एक शताब्दी से भी पहले किए गए अपने वादे को दोहराते हुए ऐसे प्रोडक्ट लेकर आता है जो भरोसे, बेहतरीन डिजाइन एवं बेजोड़ गुणवत्ता का शानदार संयोजन हैं।

अज्ञात युवक की हत्या कर रेलवे ट्रैक पर रखा शव

जौनपुर (उत्तरशक्ति) । मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र के सुदनीपुर में पुराने रेलवे स्टेशन के पास रेलवे लाइन पर मंगलवार को एक अज्ञात युवक का शव मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी हाउस भेज दिया है। मड़ियाहूं के स्टेशन अधीक्षक राममूर्ति यादव ने बताया कि आनंद विहार टर्मिनल से गाजीपुर जा रही गाड़ी संख्या 22434 सुहेलदेव एक्सप्रेस के चालक ने जफराबाद स्टेशन पर इसकी सूचना दी। चालक ने बताया कि सुदनीपुर में ट्रैक के बीच एक शव पड़ा हुआ है।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इंस्पेक्टर दीपेंद्र सिंह, दरोगा धनुधारी पांडे, कांस्टेबल लल्लन खान और मिथिलेश राजभर मौजूद थे। पुलिस ने एंबुलेंस के साथ एक महिला कांस्टेबल को नेहा के साथ जिला अस्पताल भेजा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इंस्पेक्टर दीपेंद्र सिंह, दरोगा धनुधारी पांडे, कांस्टेबल लल्लन खान और मिथिलेश राजभर मौजूद थे। पुलिस ने एंबुलेंस के साथ एक महिला कांस्टेबल को नेहा के साथ जिला अस्पताल भेजा।

पुलिस मामले की जांच कर रही है। सूचना मिलने पर आरपीएफ पुलिस मौके पर पहुंची और रेलवे ट्रैक को खाली कराया। इसके बाद आरपीएफ ने मड़ियाहूं पुलिस को मेमो भेजकर घटना की जानकारी दी।मड़ियाहूं थाना प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार सिंह ने बताया कि लगभग 25 वर्षीय अज्ञात युवक का शव मिलने की सूचना पर पुलिस ने उसे कब्जे में लिया। शव की शिनाख्त के काफी प्रयास किए गए, लेकिन पहचान नहीं हो सकी। अब इंटरनेट मीडिया के माध्यम से भी पहचान का प्रयास किया जा रहा है। आसपास के लोगों का मानना है कि युवक की हत्या कर शव को रेलवे ट्रैक पर रखा गया था। हालांकि, पुलिस इसे एक दुर्घटना मानकर मामले की जांच में जुटी है। पुलिस ने शव को सुबह लगभग 11 बजे पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

वाराणसी पुलिस के हाथ लगे, 34 बैंक के एटीएम कार्ड व 30 हजार नकद बरामद

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के कैंट थाना क्षेत्र में पुलिस ने ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत एक अंतरराज्यीय टप्पेबाज को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 34 अलग-अलग बैंकों के एटीएम कार्ड और 30 हजार रुपये नकद बरामद किए गए हैं गिरफ्तार आरोपी की पहचान संभव कुमार आचार्य पुत्र कृष्ण चंद्र, निवासी कृष्णापुर शासन, थाना बालीचंद्रपुर, जिला जाजपुर (उड़ीसा), हाल पता रूम नंबर 205, नयागांव जीप कॉम्प्लेक्स, महाराष्ट्र, बताया गया। ज्ञात हो कि विगत एक सप्ताह के अंदर कचहरी स्थित बैंक के आसपास के एटीएम से रुपये निकालने आए राजेंद्र बिहार कालोनी, नेवादा, सुन्दरपुर चितई पुर निवासी लाल बहादुर सिंह व हिरानन्दपुर, माहपुर निवासी जितेंद्र चौहान ने एटीएम कार्ड बदल के रुपये निकाले जाने के मामले में अज्ञात के खिलाफ अलग अलग मुकदमा कैंट में दर्ज कराया था। पूछताछ में सम्भव कुमार ने घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। इसके अलावा आरोपी के खिलाफ उड़ीसा के खुर्दा जनपद में थाना बालीपटरा में दो और फूलनकरा थाने व महाराष्ट्र के मुंबई स्थित साकीनाका थाने में भी एक मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तार किए गए संभव के पास से विभिन्न बैंकों के कुल 34 एटीएम कार्ड व 30 हजार रुपये नकद भी बरामद किए गए। पुलिस आयुक्त वाराणसी के निर्देश पर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। ऑपरेशन का पर्यवेक्षण वरुणा जोन के पुलिस उपायुक्त,अपर पुलिस उपायुक्त तथा सहायक पुलिस आयुक्त कैंट सर्किल द्वारा किया गया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक शिवाकांत मिश्रा, उपनिरीक्षक अभिषेक वर्मा, अभिषेक सिंह, आरक्षी नागेंद्र कुमार और संजय शामिल रहे। एसीपी नितिन तनेजा ने बताया कि आरोपी के अंतरराज्यीय नेटवर्क और अन्य साथियों की जानकारी जुटाई जा रही है। आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

लक्ष्मी मुरदेश्वर पुरी का पुरस्कार विजेता राष्ट्रीय बेस्टसेलर उपन्यास स्वैलोइंग द सन अब मराठी में

मुंबई। श्रीमती लक्ष्मी मुरदेश्वर पुरी (लेखिका, राजदूत और संयुक्त राष्ट्र की पूर्व सहायक महासचिव) अपना बहुप्रशंसित और पुरस्कार विजेता पहला उपन्यास स्वैलोइंग द सन मराठी पाठकों के लिए लेकर आ रही हैं। महाराष्ट्र के हृदयस्थल पर आधारित यह कहानी रत्नागिरी से शुरू होती है, मुंबई (बॉम्बे) और बनारस से गुजरती है, और भारत के औपनिवेशिक अधीनता से स्वतंत्रता की ओर हुए परिवर्तन को दशार्ती है। ह्यस्वैलोइंग द सन एक व्यापक गाथा है जो एक आकर्षक विकास-कथा , एक मार्मिक पारिवारिक वृत्तांत, और भारत के स्वतंत्रता संग्राम की पृष्ठभूमि में महिला सशक्तिकरण के एक प्रेरणादायक चित्रण को जोड़ती है। लक्ष्मी मूर्तेश्वर पुरी ने साझा किया, हर लेखक कई दुनियाओं से जुड़ा होता है लेकिन एक भाषा उसकी नैतिक दिशा तय करती है। मेरे लिए वह भाषा है मराठी, अंतरात्मा, सुधार और प्रेम की भाषा। इसने मुझे न्याय और स्वतंत्रता का अर्थ सिखाया बहुत पहले जब मैं उनके वैश्विक शब्दों से परिचित भी नहीं था। इस अनुवाद के माध्यम से उस भाषा में लौटना उस दुनिया और उन मूल्यों को सम्मान देना है जिन्होंने मुझे गढ़ा, करुणा, समानता और प्रबोधन। अपनी मिट्टी में जमी हुई कहानी सच्चाई और सौम्यता के साथ बहुत दूर तक पहुँचती है यही मेरा विश्वास है। यह कहानी मालती की असाधारण यात्रा का अनुसरण करती है, जो एक निडर और प्रतिभाशाली युवा महिला है, जो 20वीं सदी की शुरूआत में पितृसत्तात्मक बाधाओं को चुनौती देते हुए अपनी नियति स्वयं गढ़ती है। अपने प्रबुद्ध पिता 'बाबा' के प्रोत्साहन और अपनी बहन कमला, मित्र चंद्रा, और अपने प्रिय गुरु के समर्थन से, मालती का जीवन एक राष्ट्र के जागरण और एक महिला की आत्मा के मुखर होने का प्रतिबिंब बनता है। तटीय महाराष्ट्र के एक गाँव में उसके प्रारंभिक वर्षों से लेकर मुंबई की अग्रणी वकीलों में से एक के रूप में उसके उभरने तक, उसकी कहानी आधुनिक भारत को आकार देने वाली महिलाओं की दृढ़ता और साहस को दशार्ती है।

गोवा सरकार ने इंडिया मैरीटाइम वीक 2025 में गोवा में सस्टेनेबल मैरीटाइम भविष्य की रूपरेखा तैयार की

मुंबई। गोवा सरकार के कैप्टन ऑफ पोर्ट्स डिपार्टमेंट ने इंडिया मैरीटाइम वीक 2025 के पहले गोवा स्टेट सेशन में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई. जिसका थीम था गोवा का सस्टेनेबल मैरीटाइम डेवलपमेंट का मॉडल, ब्लू मीट्स ग्रीनह्व. मुंबई के नेस्को में हुए इस सेशन में भारत के मैरीटाइम सेक्टर में इनोवेशन, सस्टेनेबिलिटी और पार्टनरशिप पर बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए नेशनल लीडर्स और ग्लोबल इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स को बुलाया गया। गोवा की स्ट्रेटेजिक कोस्टल पोजीशन और इको-फ्रेंडली मैरीटाइम ग्रोथ के लिए किए गए कमिटमेंट ने राज्य को भारत के ₹ग्रीन रिस्पॉन्सिबिलिटी के साथ ब्लू ग्रोथ₹ विजन में सबसे आगे रखा।

माननीय मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत के गाइडेंस और कैप्टन ऑफ पोर्ट्स डिपार्टमेंट, पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट और लीगल मेट्रोलॉजी के

माननीय मंत्री दिगंबर कामत के नेतृत्व में गोवा ने पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, ग्रीन शिपिंग और एडवांस्ड मैरीटाइम टेक्नोलॉजी में बड़े इन्वेस्टमेंट सहित ट्रांसफॉर्मेटिव प्लान्स के बारे में विस्तृत जानकारी देकर इनके बारे में कई अहम खुलासे किये।

मुख्य उद्घाटन समारोह में अपने भाषण में, डॉ. प्रमोद सावंत ने कहा कि ब्लू मीट्स ग्रीन₹ थीम गोवा की समुद्री यात्रा को पूरी तरह से दिखाती है, इसमें ₹पर्यावरण, वेस्ट-फ्री वॉटरवेज और कार्बन-न्यूट्रल शिपिंग इकोसिस्टम के साथ तालमेल बिठाते हुए लगातार तेज विकास के एक मॉडल को दशार्या गया है।

इस संदर्भ में, मुख्यमंत्री ने आईवाई का शुक्रिया अदा करते हुए कहा, इस एलोकेशन से गोवा के वॉटरवेज में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट की बेहद तेज रफ़्तार साफ दिखाई देगी।₹ इसके अलावा मोरमुगाओ पोर्ट पर 2मेगा वाट का सोलर पावर प्लांट शुरू करने और एक फ्लोटिंग मरीना बनाने की घोषणा की गई, जिससे रिन्यूएबल एनर्जी और भविष्य के लिए तैयार कोस्टल इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए गोवा का वादा और पक्का हुआ। डॉ. सावंत ने कहा, कुल मिलकर एक सस्टेनेबल भविष्य की ओर समुद्री मार्ग में यातायात आ अन्य व्यावसायिक तरक्की के साथ गोवा का विजन भारत के मैरीटाइम इंडिया विजन 2030 और विकसित भारत 2047 के नेशनल मिशन से मेल खाता है।

उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ संपन्न हुआ छठ महापर्व, 36 घंटे का निर्जला उपवास पूर्ण

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ पूजा मंगलवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हो गया। काशी के लगभग सभी घाटों पर आस्थावानों की भारी भीड़ उमड़ी। व्रती महिलाएं सूप में फल-फूल और पूजा सामग्री लेकर गंगा में उतरीं और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया।

भोर से ही घाटों से लेकर गलियों तक श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा, जिससे कई जगहों पर जाम की स्थिति बन गई, जिसे पुलिस-प्रशासन ने कड़ी मशक्कत के बाद सुचारू कराया। 25 अक्टूबर को नहाय-खाय से आरंभ हुए इस पर्व का समापन आज ऊषा अर्घ्य के साथ हुआ। सुबह 6:27 बजे तक अर्घ्य का शुभ मुहूर्त रहा। 36 घंटे का निर्जला उपवास पूर्ण कर व्रतियों ने सूर्य देव और छठी मैया से परिवार की सुख-समृद्धि और संतान की दीर्घायु की कामना की। देश-विदेश के घाटों पर पारंपरिक गीतों की गूंज और भक्ति भाव से सराबोर माहौल में छठ महापर्व का समापन हुआ।